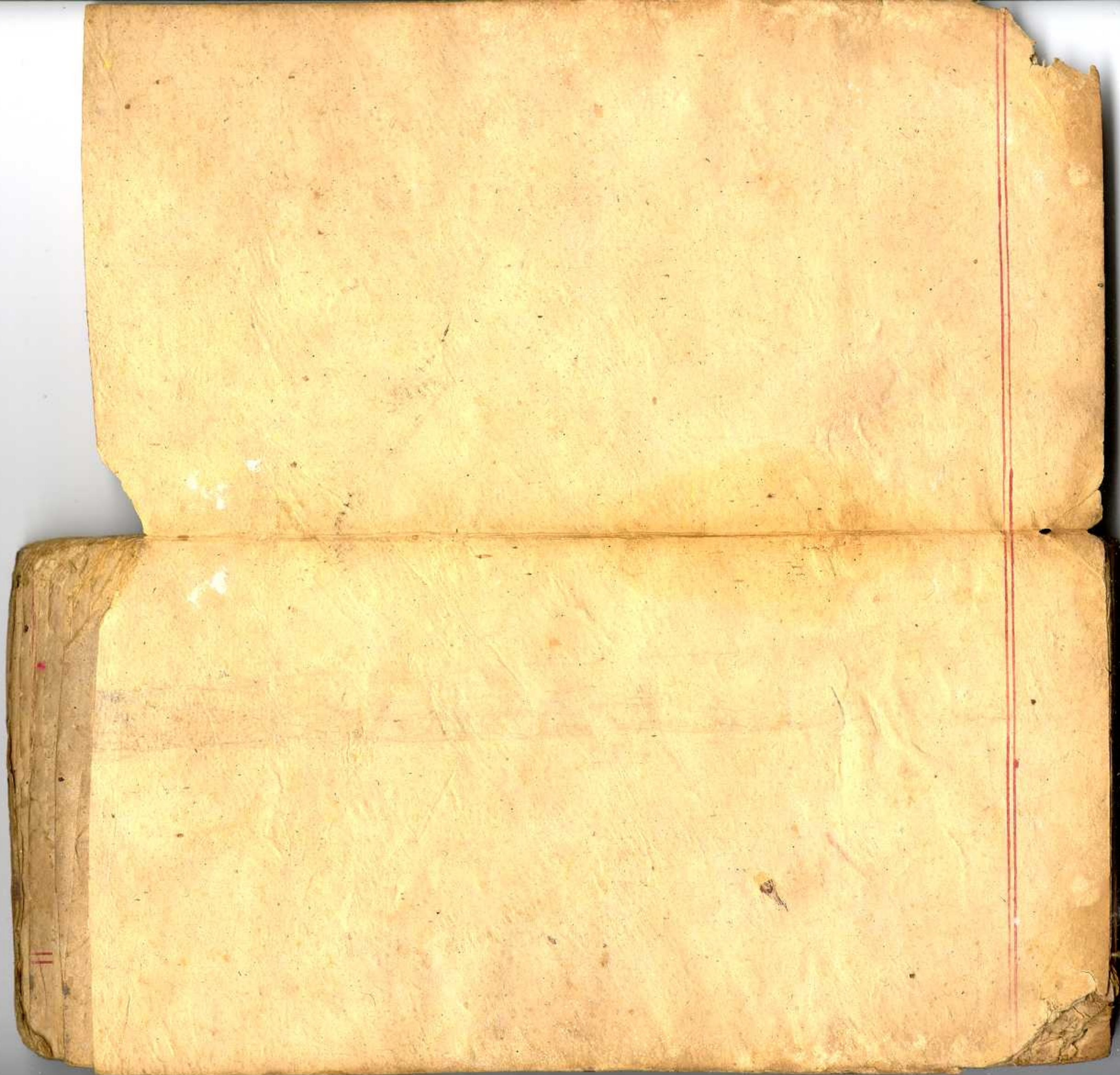
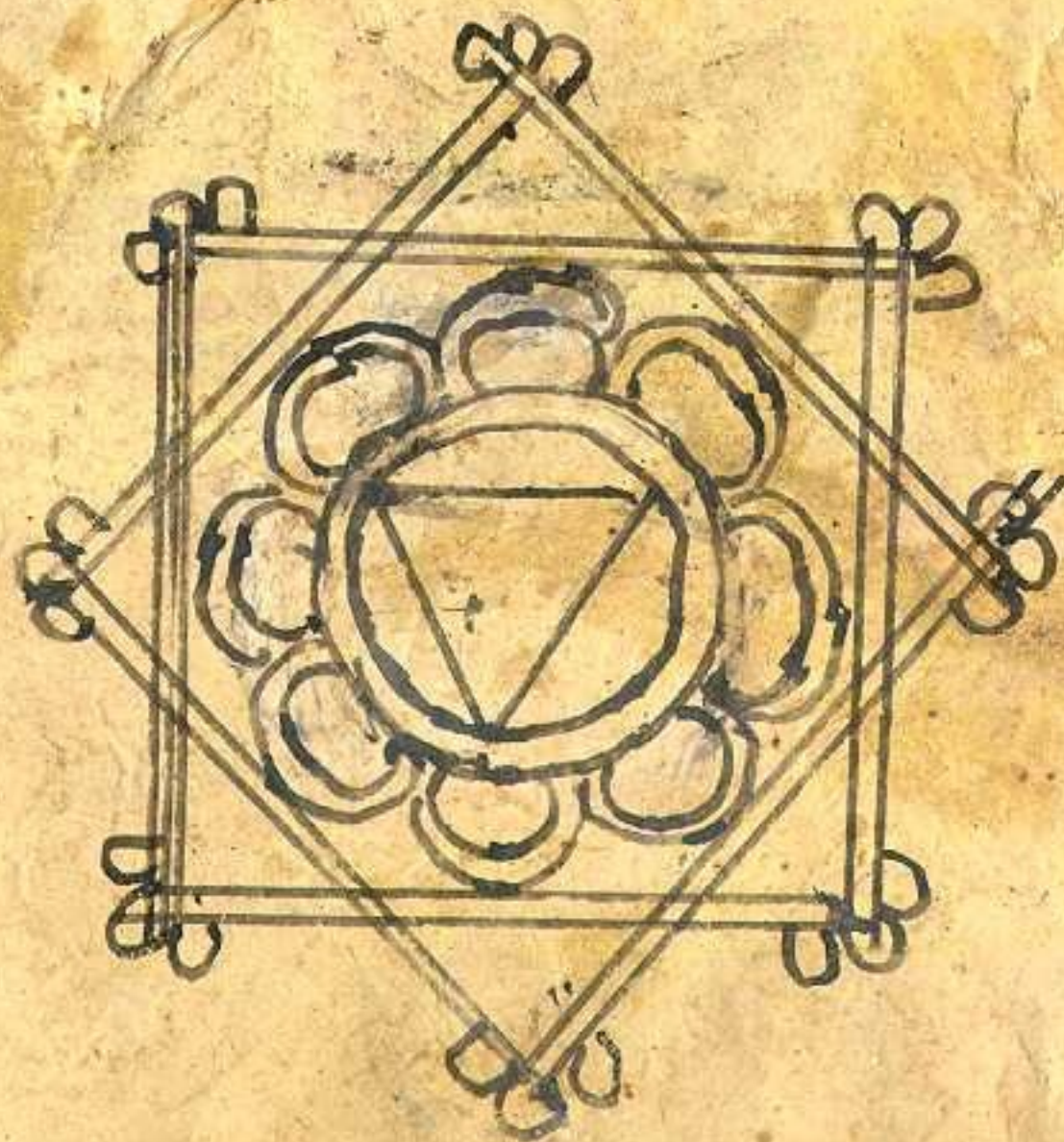
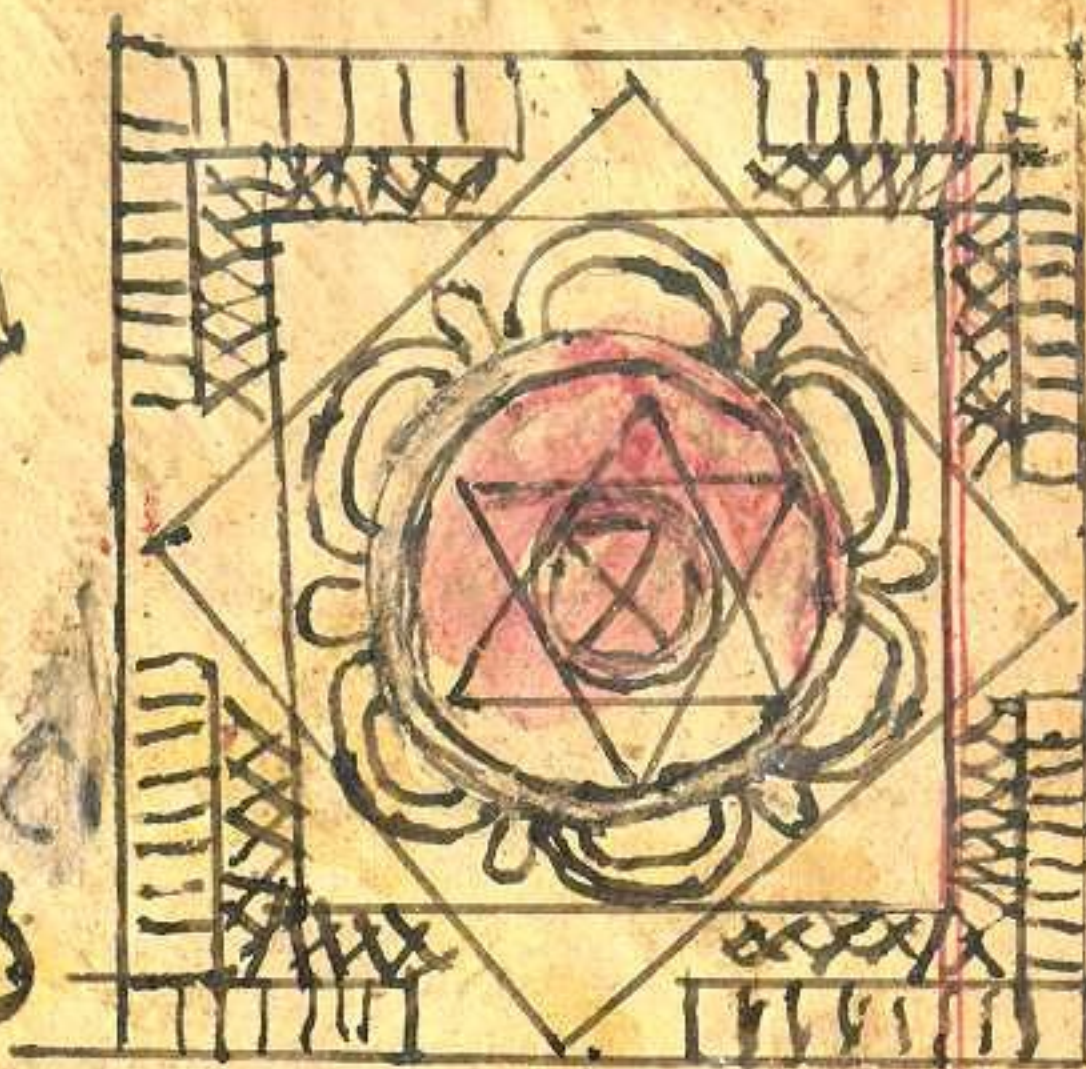
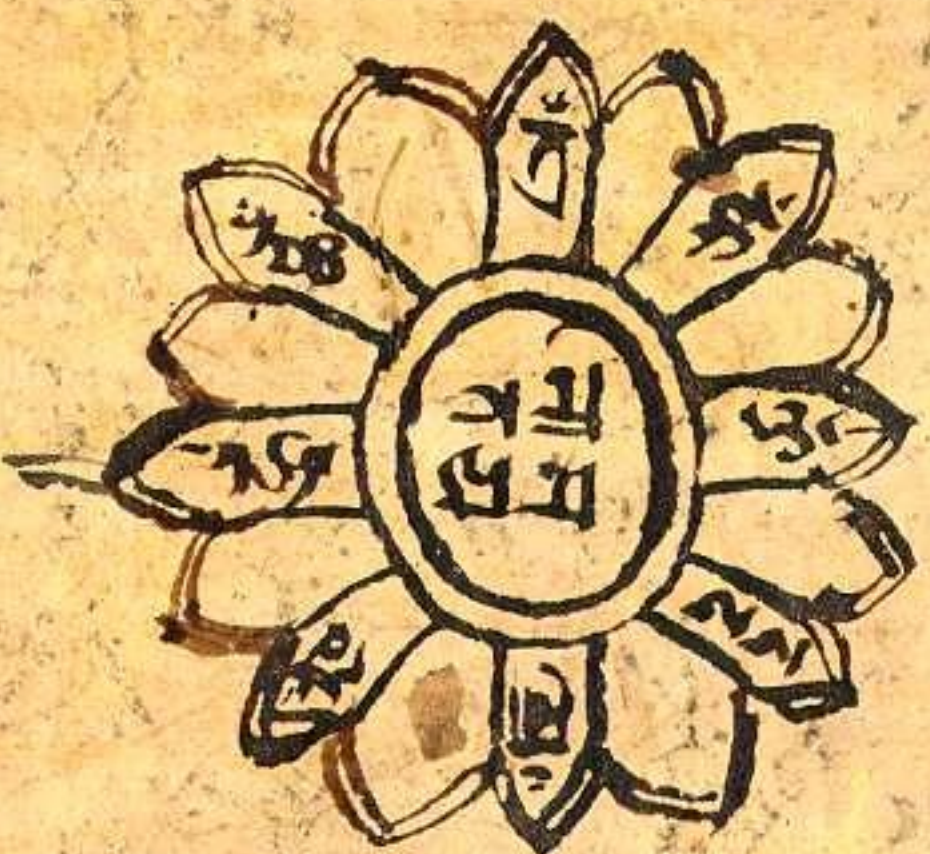
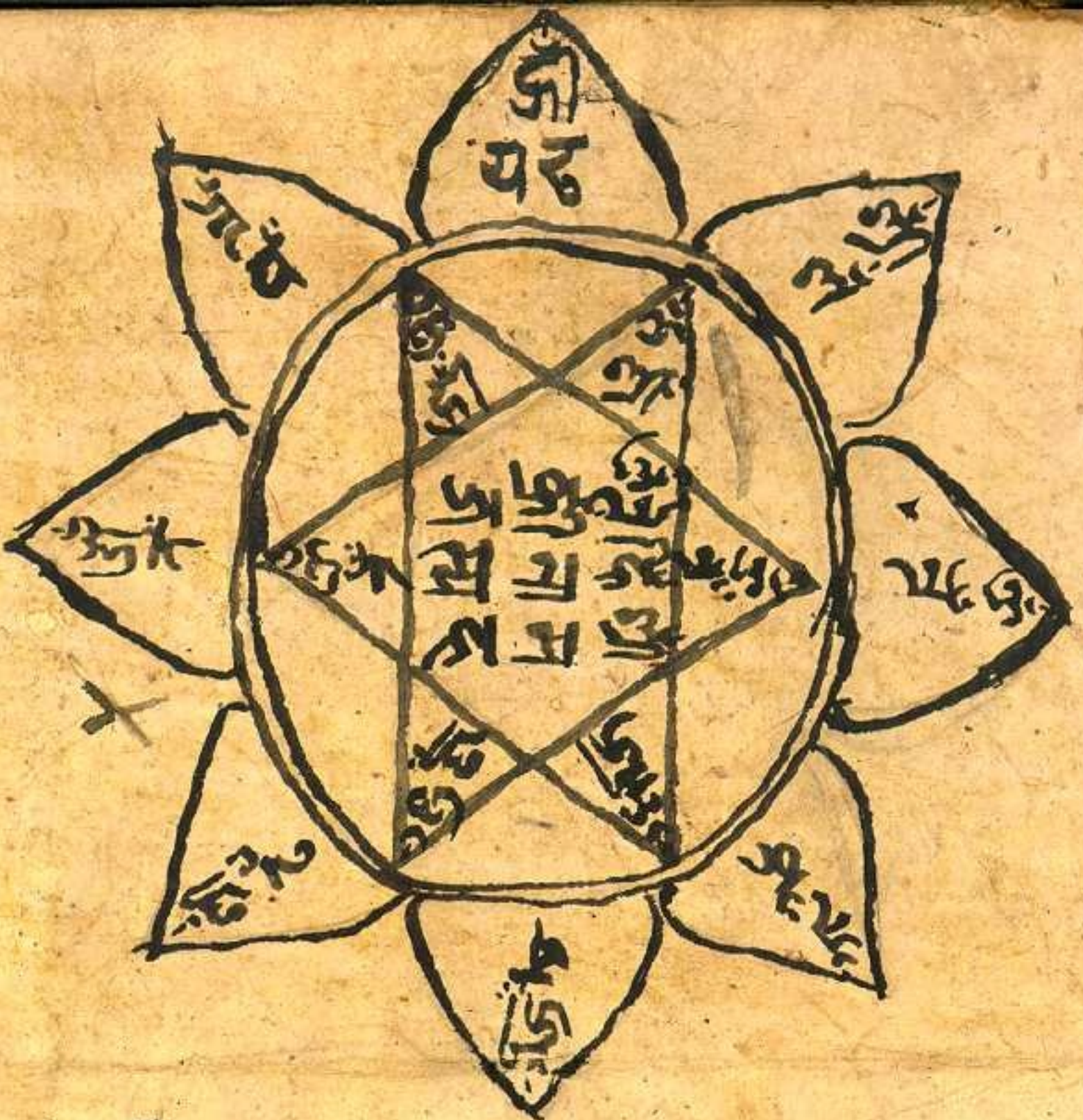


सा. म. म.	४
1.348	

ASHA ARCHIVES

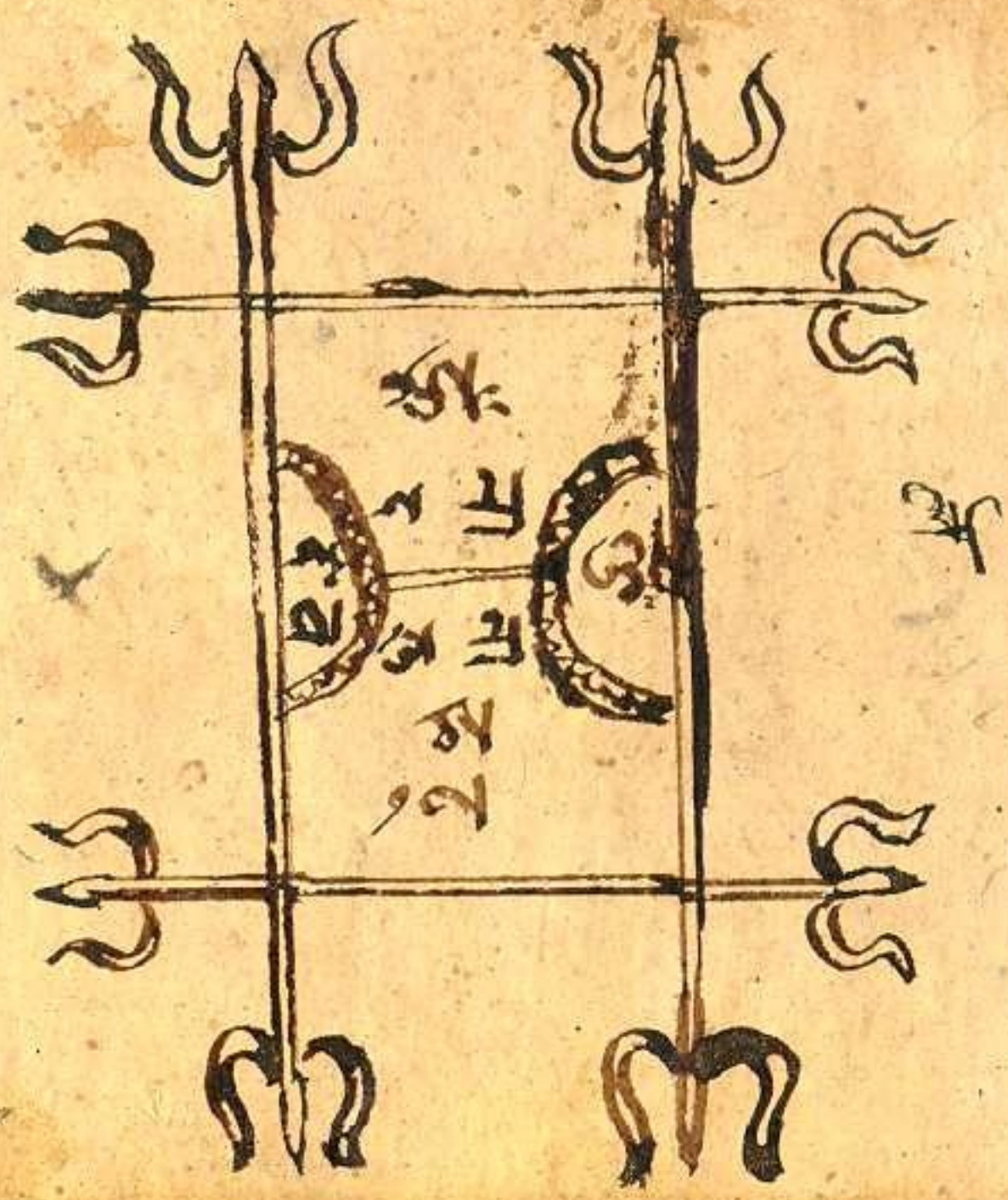




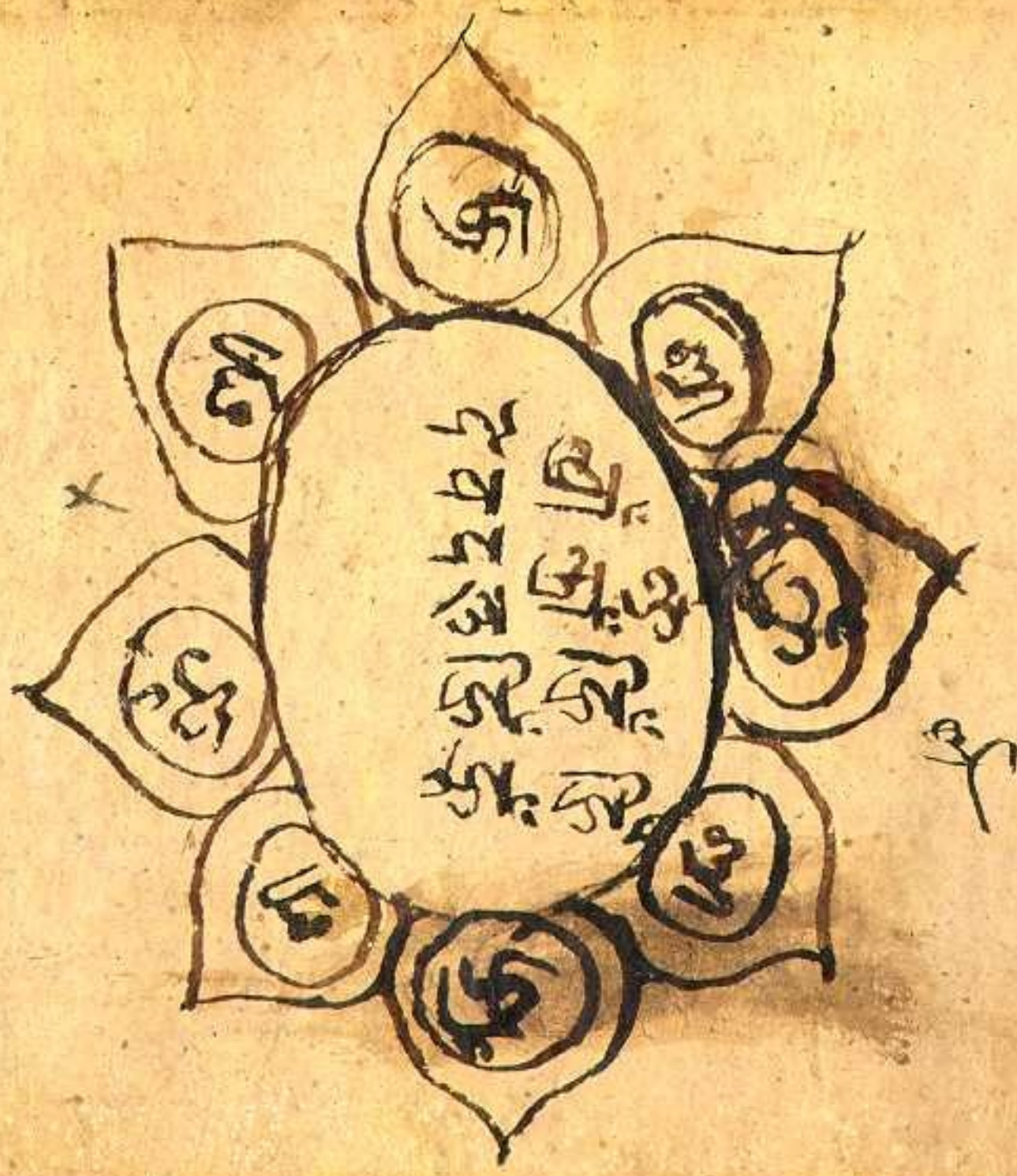


ॐ कूं म् जलान् रजप
 शयमीसाया मावाया मीजनया
 कवायी न ओ आयी न ओ धन
 मावासलपि ओ अ३॥ धव
 ल कसि कामल आदि धनि
 लो मावायान क न का४॥

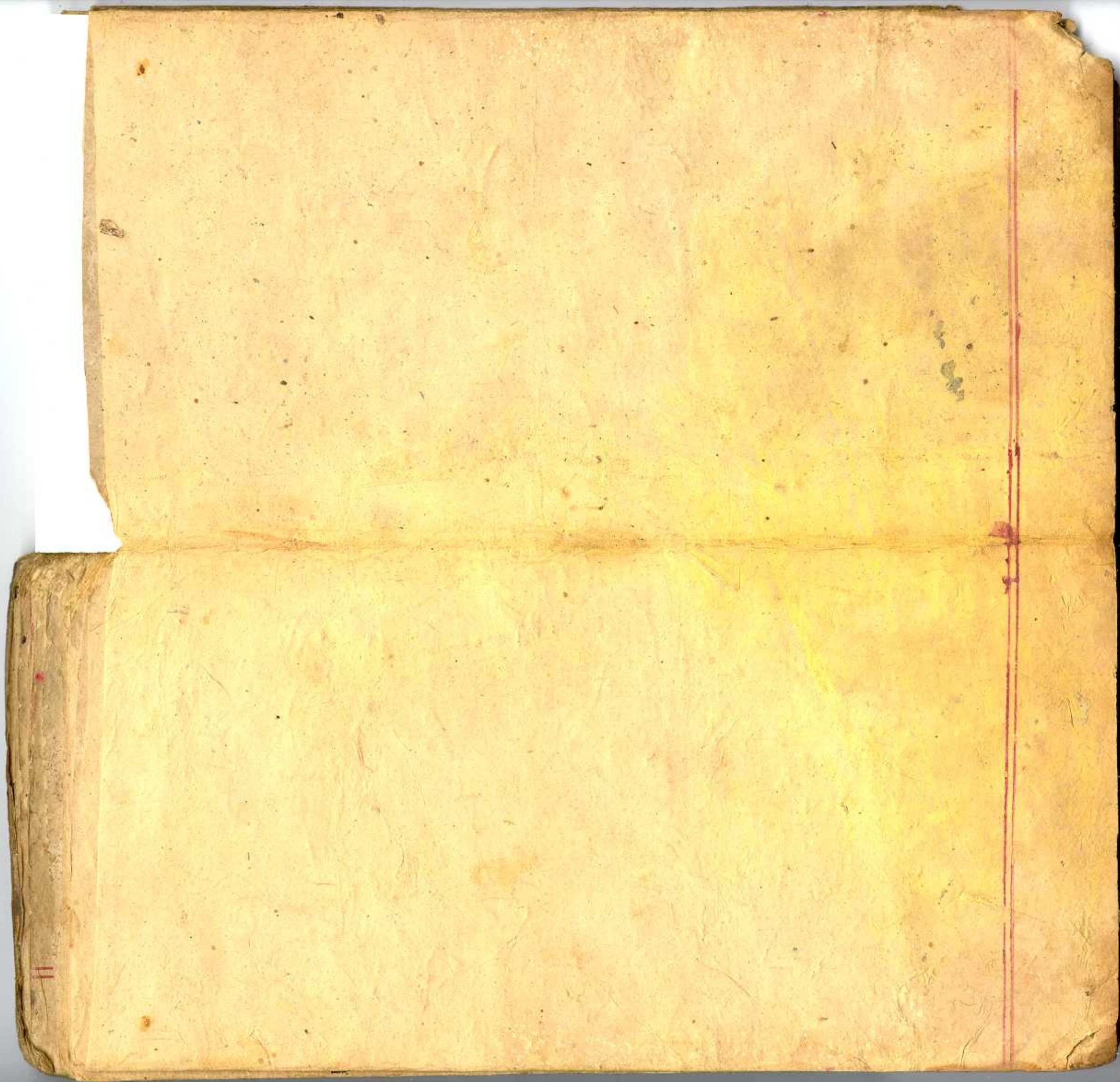
१५३ ग्या द. अस्स नं धनं
आप तस थो ज. अं ग ५६ स. अ
सल प का. ०० का. ह स्या. अ थ. ध
वन न. क प्र का न. अं ग स दि न. ३
न व अ ली वू जा वा दा स दि न. अ व
अ ल १००० थ या क ना इ या द

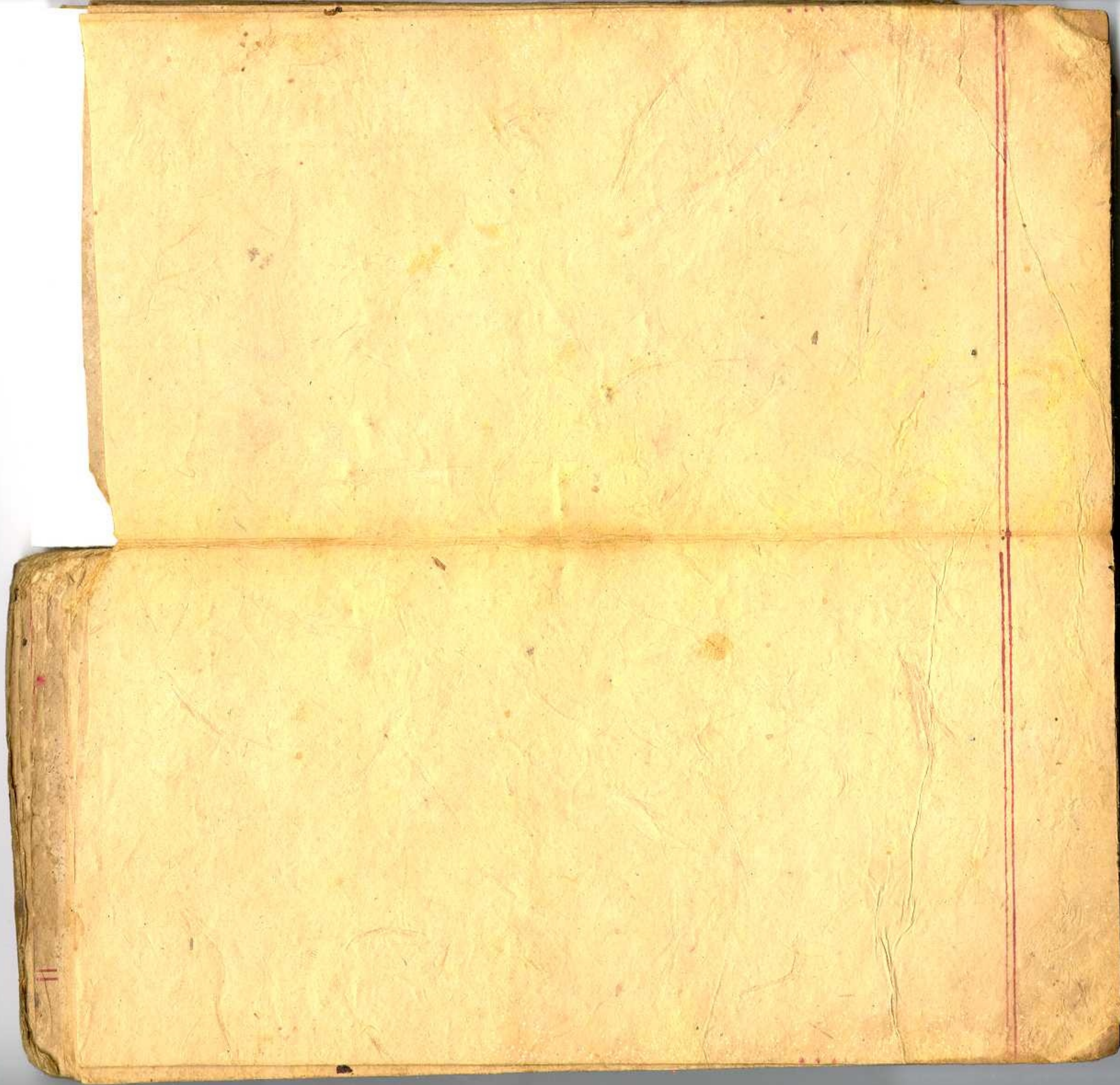


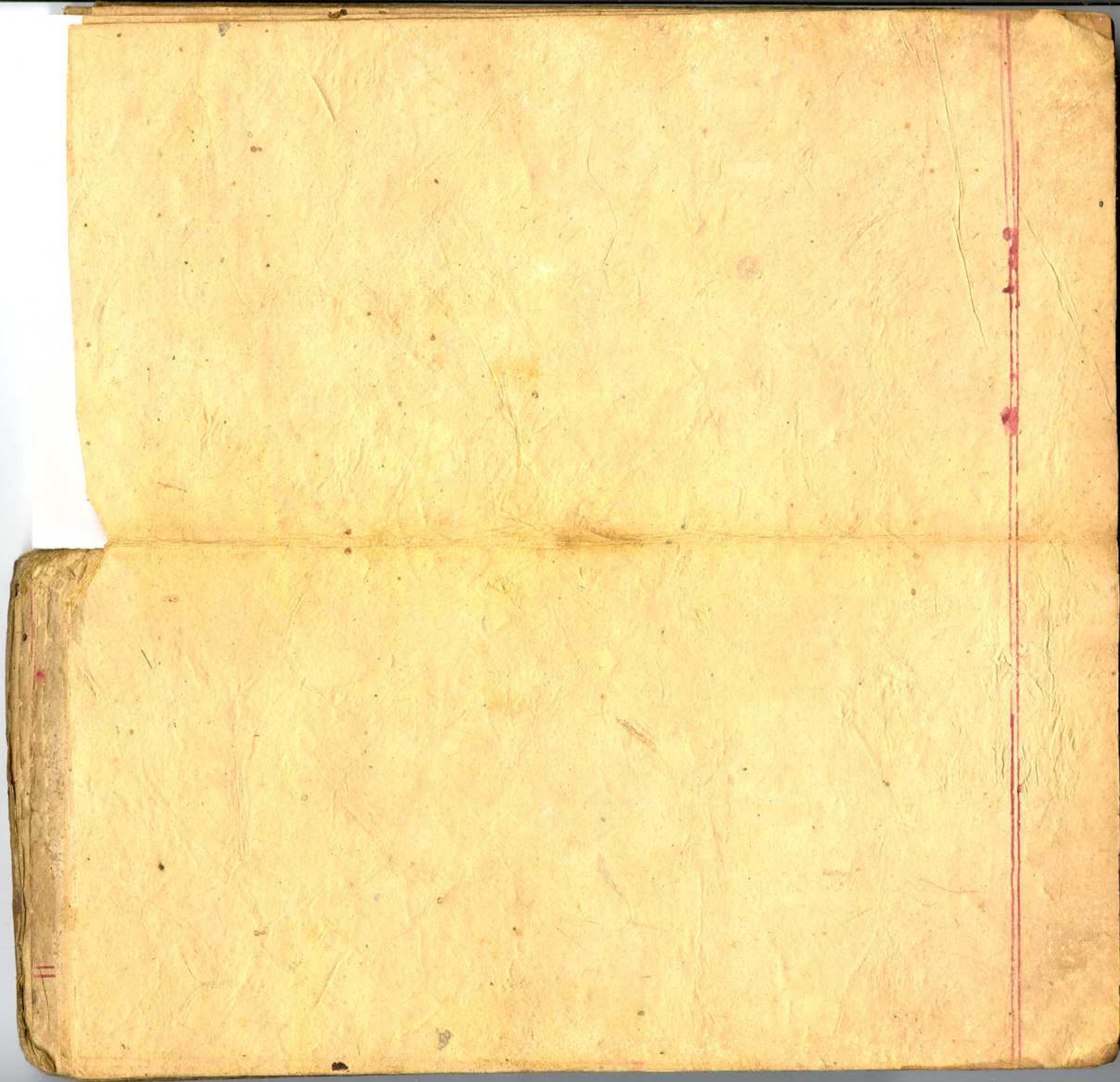
अलकसिन्धुनेयुजायाअदिद्य
वागवृद्धाधर्माशर्मनयधर्मेनवा
सांख्यमीरुपनिषन्नधमगीस्य
इयुधामागवधुयकंदंसशिवद
कसगीधर्मेरुल॥

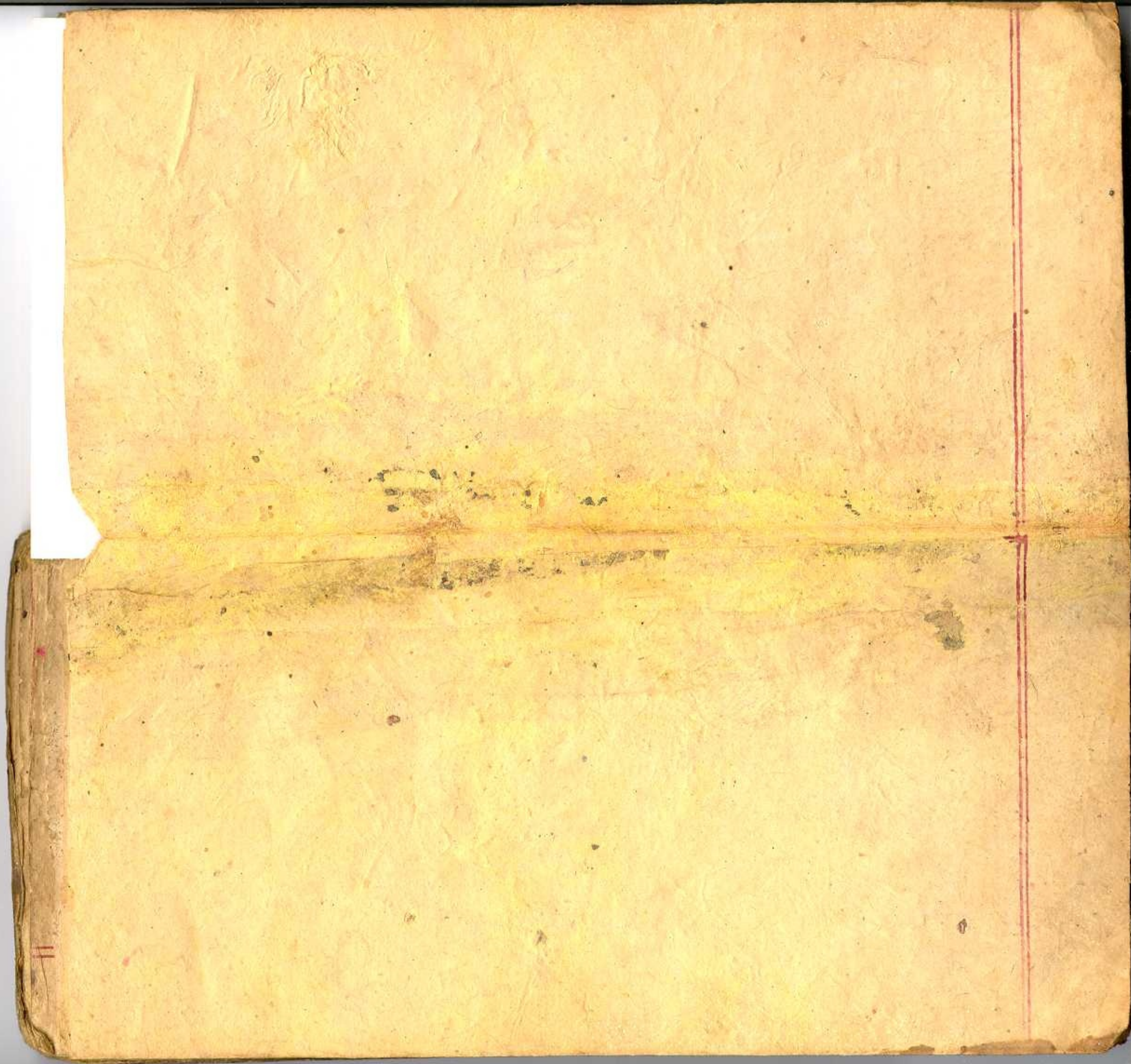


कैकैमवसावननरुपयुस
धामैकानयुकाओमीसकुआओ
धनीलिहृषीष्टदआसीनक
वैवश्वरसाधमकुआल००६
वकासलधलशिवदनेकवद
नसिद्धायाधर्मेसर्ववश्वेनकाइन



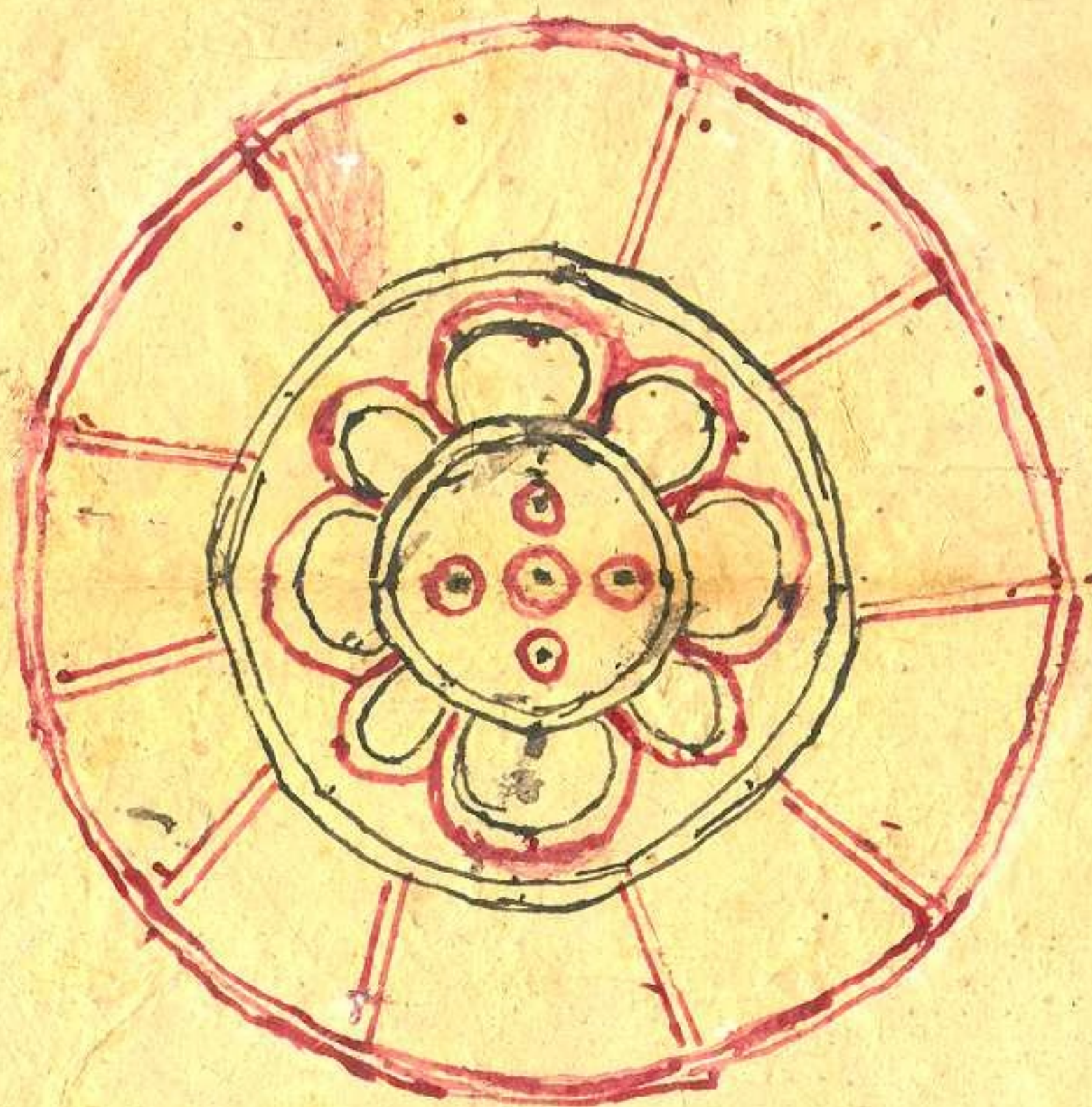


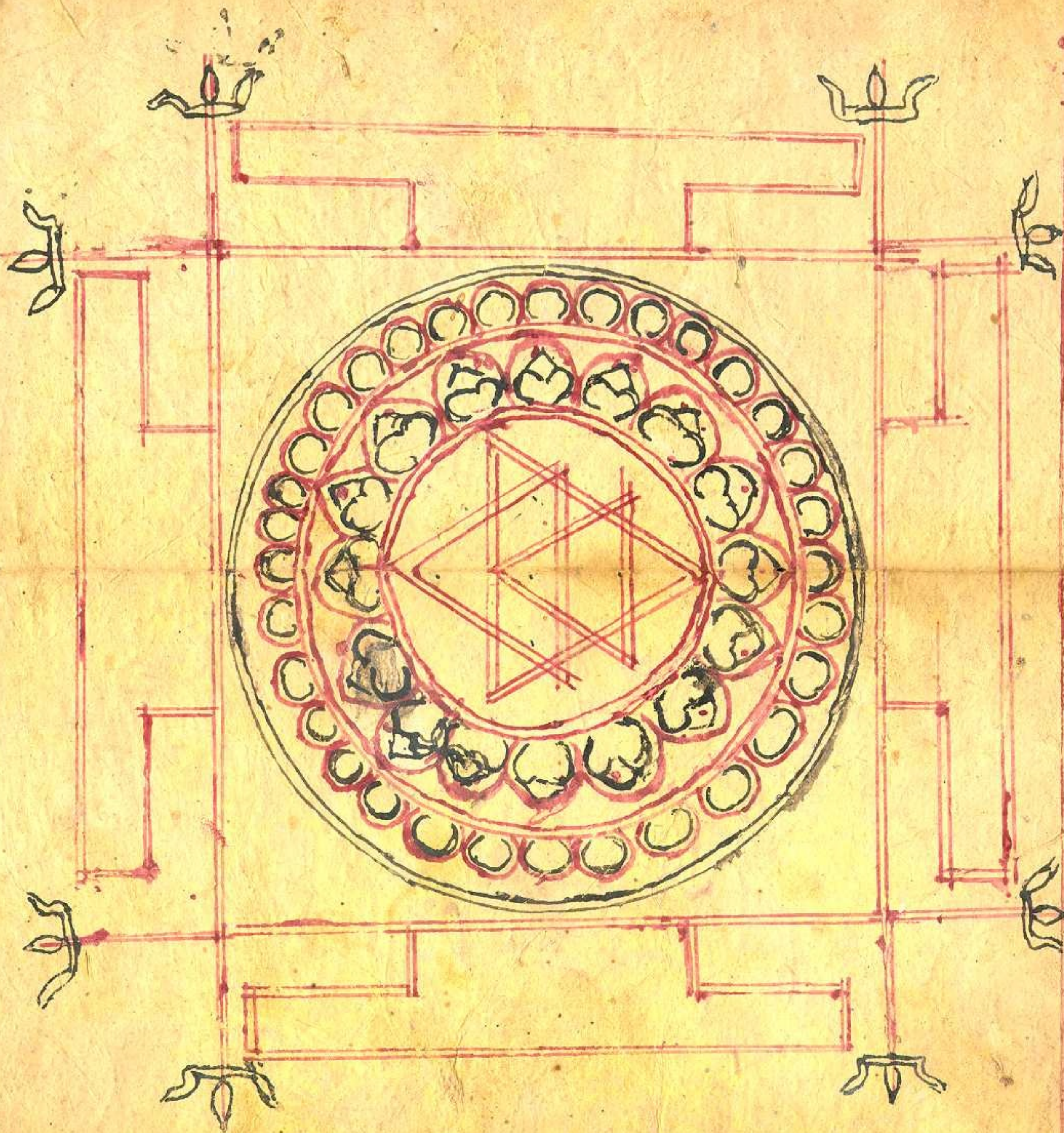


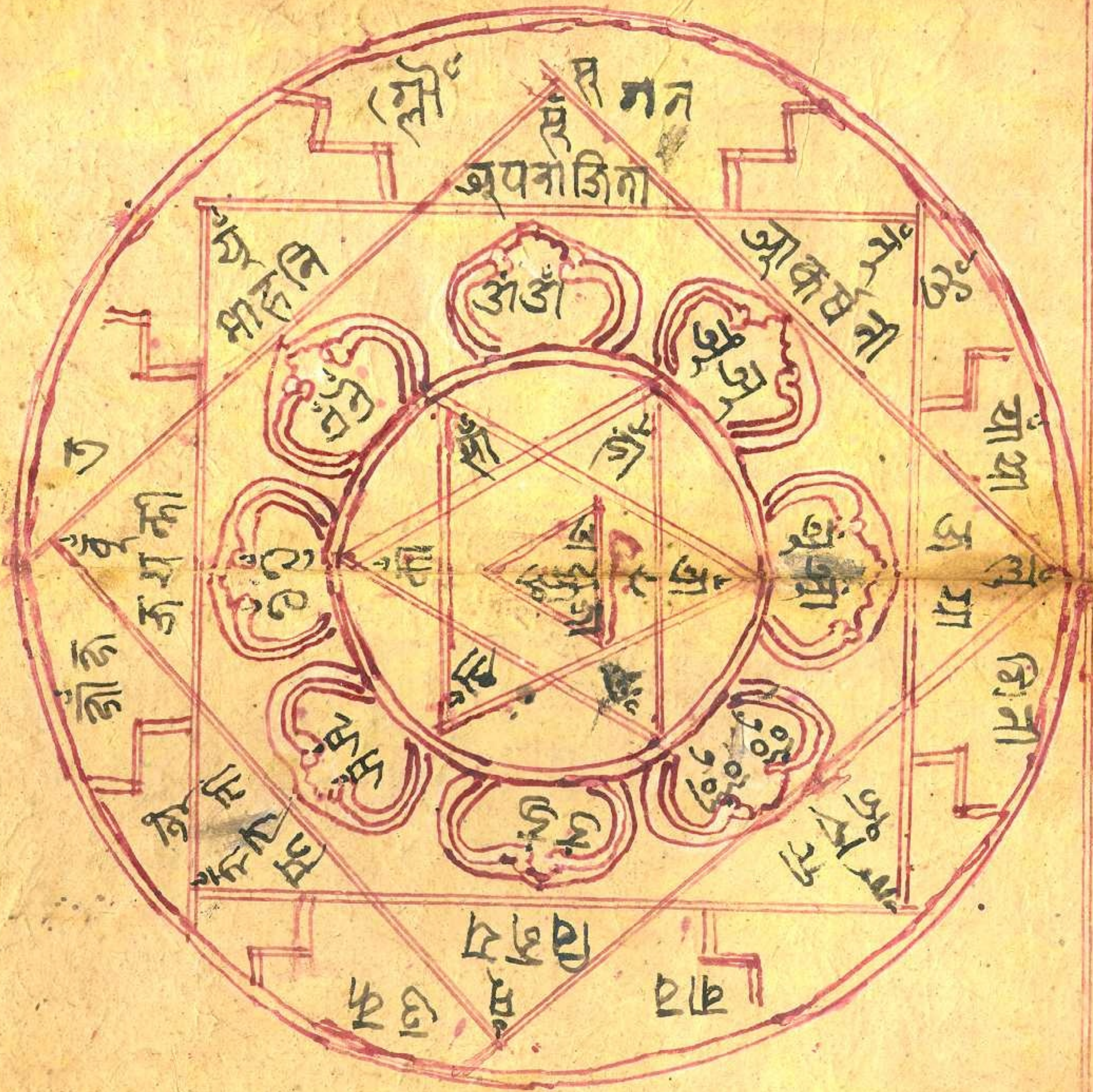












ॐ नमवाग्मने॥ वक्रपीसावउवाच॥ ॐ नादिकुंदं सप्तहृतं त्रुदकं लब्धनिःश्रु
 तं॥ वाग्मतिरिति श्रुता देवी कृतसमूहो नमस्तुते॥ त्रुदचूजमल्लहंतं याज्ञिक्या
 त्रीपुयावीनी॥ मन्त्रीमतीति विख्यातं कृतसमूहो नमस्तुते॥ त्रुदयादो हवर्गं
 गन्नाय नार्थं कृतसमूहो नमस्तुते॥ त्रुदभलति विख्यातं कृतसमूहो नमस्तुते॥ नका दूती
 वीधाली म्हापुत्रवाक मरु श्वत्री वाग्मती त्रुदभलति मलिमतिरिति विख्यातं॥ त्रीना
 त्रुपा दूधानिले यकायक श्रुतीनी॥ वक्रमूले मदादर्थं कृतसमूहो नमस्तुते॥
 वाग्मतियुक्तक लोले धर्मश्रीनितालितं॥ त्रामिनिमरुिकाना के पावक

लालसकीता॥ दमलयेतीनताये सर्वोत्तम कालमरुतं व्याघ्रवर्मवतीता
 ये कंदननमस्तुते॥ त्रीसुतं उमत्रमालो पूरु कं वि श्रुतिं कनी शुषस्मि
 तं नना देवी दूवीरुता ननामिदं॥ सर्वपापो मादात्रिले सर्वदं वने मस्तुते
 ॥ मादापातक लालित्ये वत्रपुद नमस्तुते॥ तीर्थत्रय नदीनां वत्रया लोसं
 गमा कृतदुवीरुपमादा मूले म्हापुत्रममस्तुते॥ वक्रीय वेष्टविनीदी मूले
 कृतामरु श्वत्री॥ वता सांसां सनितां मूले स्फारिता शीघ्र संवदं॥ वाग्मतीलिवगं
 रुसिव वक्रसत्र श्वती॥ दुर्मरुवानि सर्वा नीउ मयुर्नमस्तुते॥ सीद्धा

ॐ

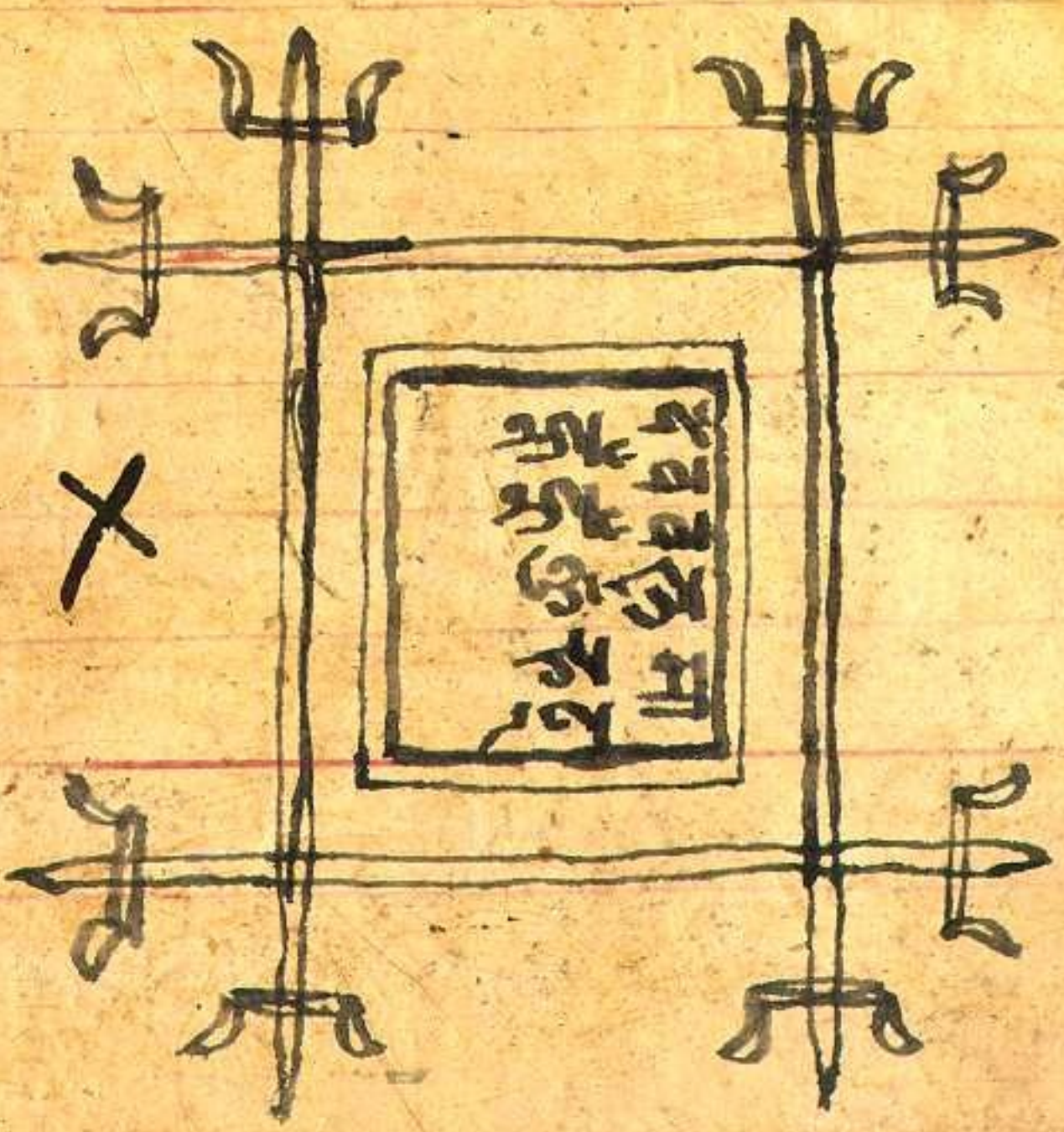
विदुवाव॥ अतस्तु वैश्व सं तद्व वाग्म आसर्व वात के॥ सद्रा ठु क्र पि सा वा गो मा
दा या व की मा चि त॥ ज्ञान का ल न रा ह क्रा मः प० द्रा वा ग्म हि रु बं॥ वाग्म त्वी सा
न ऊं यू त्मं॥ प्राप्ता ति नी त्र वा ० क॥ सं ग्रा स र म मा प्रा ति गृ द्वा पी दा वि न स्य ती
। को ना यू त्मं व न च यूर्य सः कि र्ति त ह स दा॥ पि र स्तु वा ल ग पि द्रु व्र क्र वा
वा प्र म् व तं॥ सर्व र्ण स्र य मी ध्वा का त क् व कृ त ति सि धे॥ म द्र वा न व त द्वा जं
ग ग म न की ती य॥ मू ख दा या ह वैः पा यो म् व त ना गु सं स मा॥ ति मु का द्र द्य
का ति सं ति र्थ नी म ॐ स कि त॥ सर्व ती र्थ म मी म स्र स क त वृ व र्व सू वा ग्म ति
सि व गं ग त्रा वृ क्र स त ग्म ती गा वृ मा द नि सं त स्था नी त्र वा य द रा मी र्द॥ ११
॥ ॐ ती र्थ द यू त्र ज द म स्रु द रु सी स मा व त॥ ॥



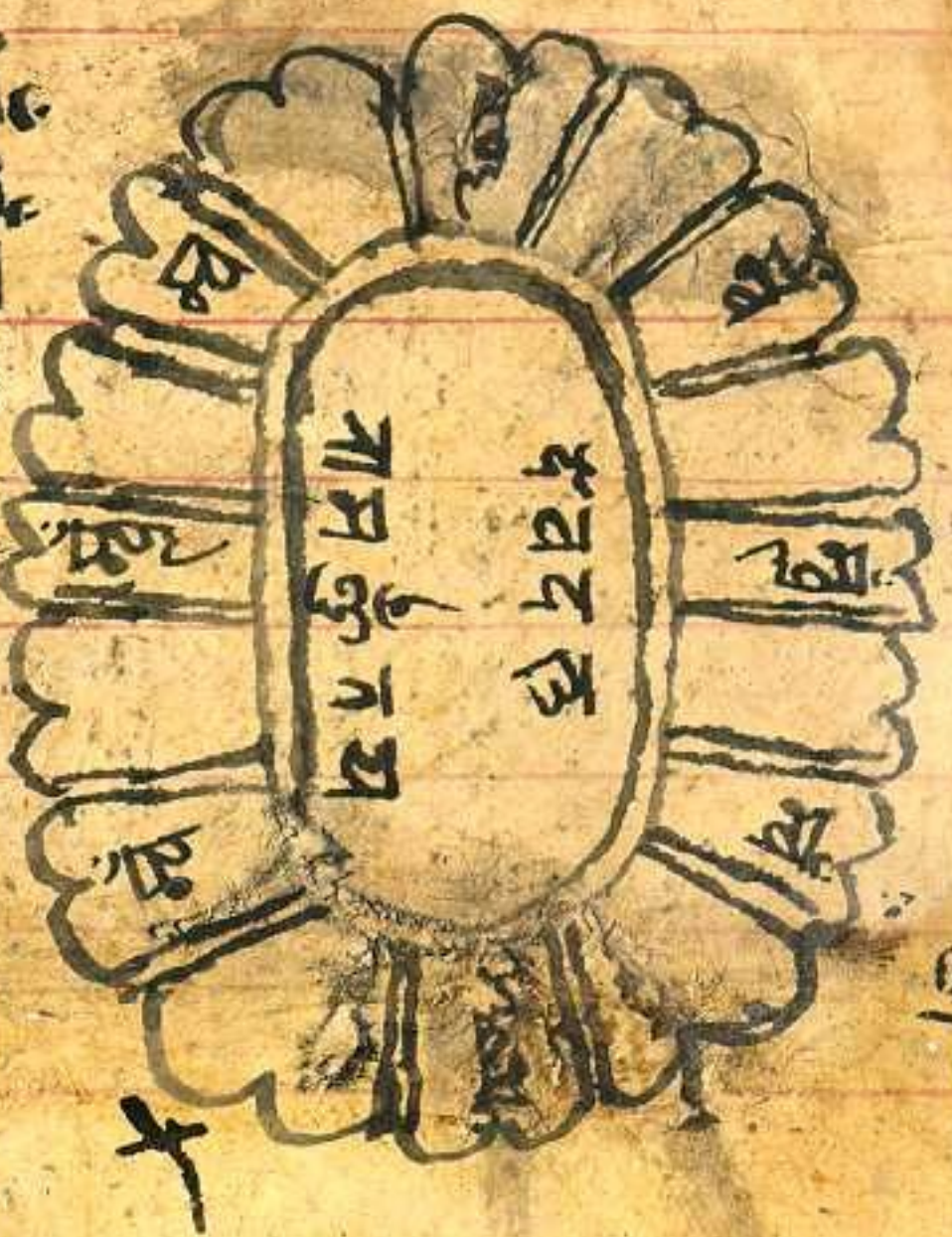
ॐ कूं म् ज्यो व न् न क व न् न र
 रा प उ स र्वा आ उ ग ल व न र क र
 र्वा ग य ध न् न वि न दाय म न् न ल द्वा
 द ला ॥ ध व सि द्वा य क र्मु दि ग न्
 द या वि अ त द्वा ॥ वि न दाय म
 न् क ल द्वा ॥



ॐ कूं म् ज्यो व न् न र आ व उ स र्वा य
 न द्वा गि स द्वा य अ म य या क् नी स
 य उ र ल स व स र लो



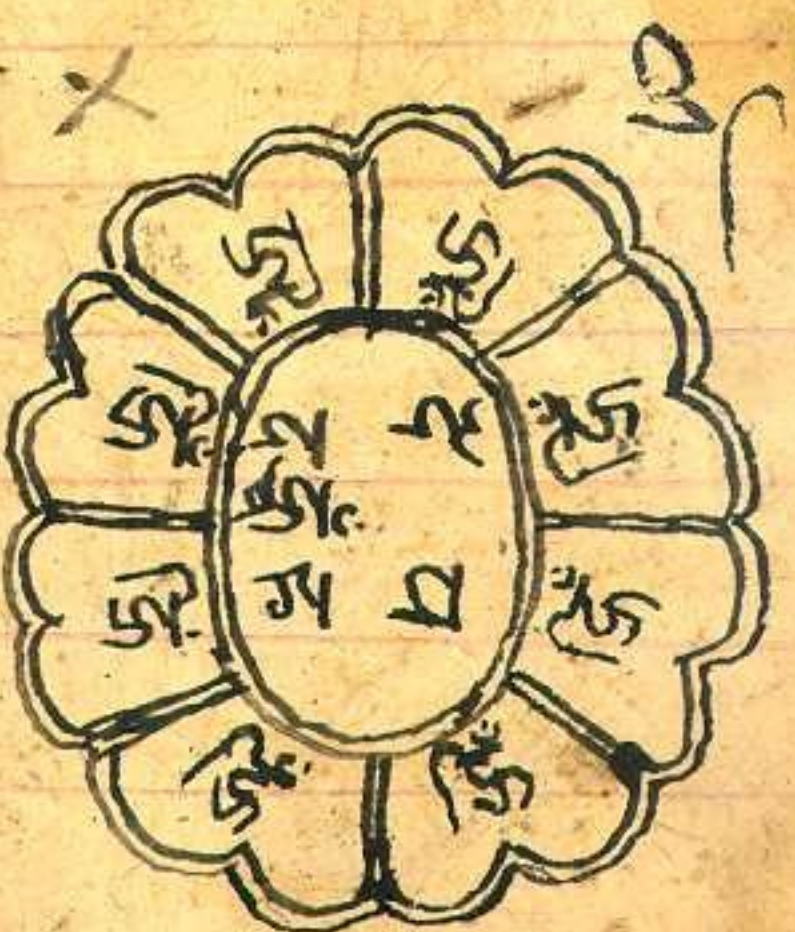
ॐ कूं म् ज्यो व न् न र आ व उ स
 वा यी क वा य क व र्वा र्वा ल द्वा
 अ ल ११ ध या ध व न् न र सि सि द्वा
 य न र र्वा ल वा क् न र र्वा ध र्वा
 द ला ॥ ॥ र र उ उ य ल द्वा ध र्वा



ॐ कर्म नोद नन्द जायत स आसी
क बाय क बाल शक न व न न
अल ० अ व र क सान ॥ सान ॥
तानि सान ॥ न मा क धृति इति ॥ वा
ल शक यान का ॥ ५॥



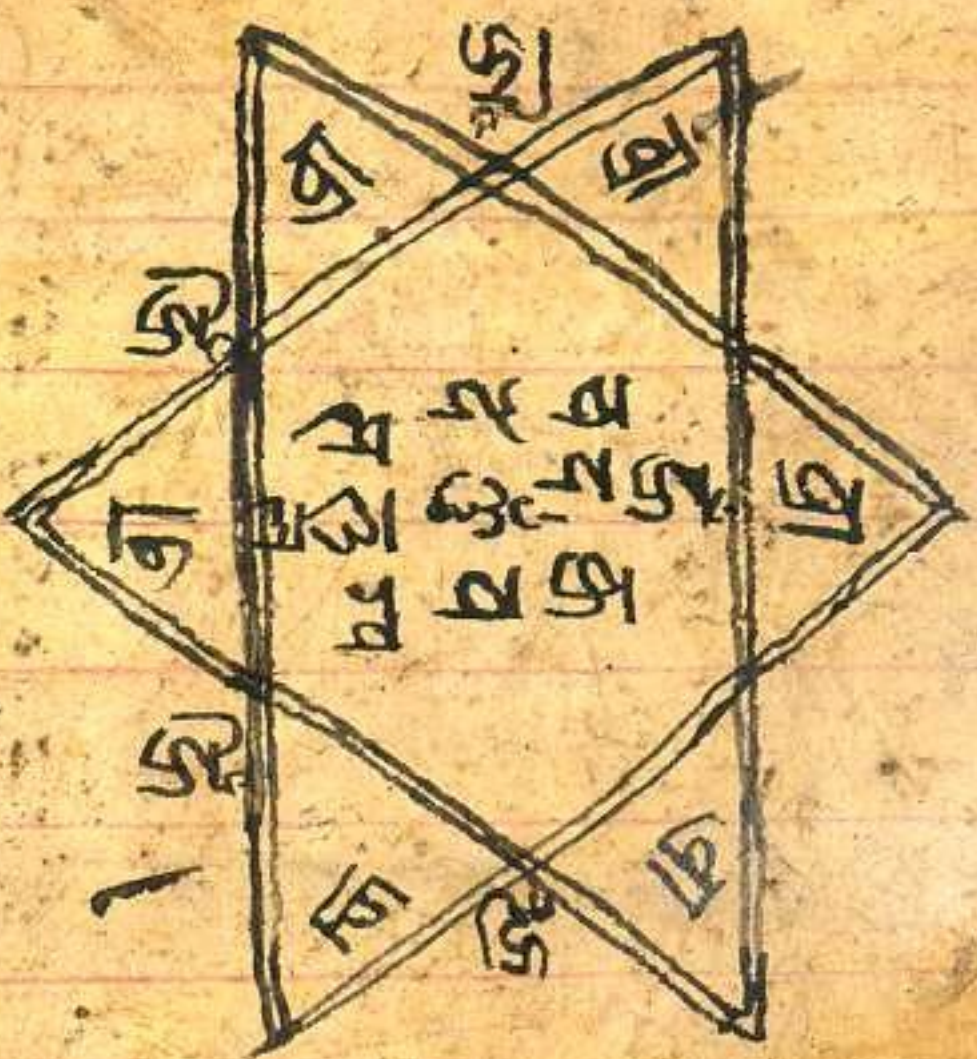
(५)
इं कृमन्लवनं वज्रयसः आर्त्तकष
यपकमिनि न मखुआका नडालकेन
वाधरनी अने ॥ इतरकसन जगति
करादने मखुआद्यान जले केन द्वा



कं कं मन्त्र मोक्ष नन्द आप उ स आ य
क आ म् न य न आ न सां ल स र य
म न सः वृत्तिक मं उ आ र वृत्ति न
क ल सां ध रं क व स आ ल स द्या रु न
य वृत्ति न आ का वि आ र नो ॥ ॥



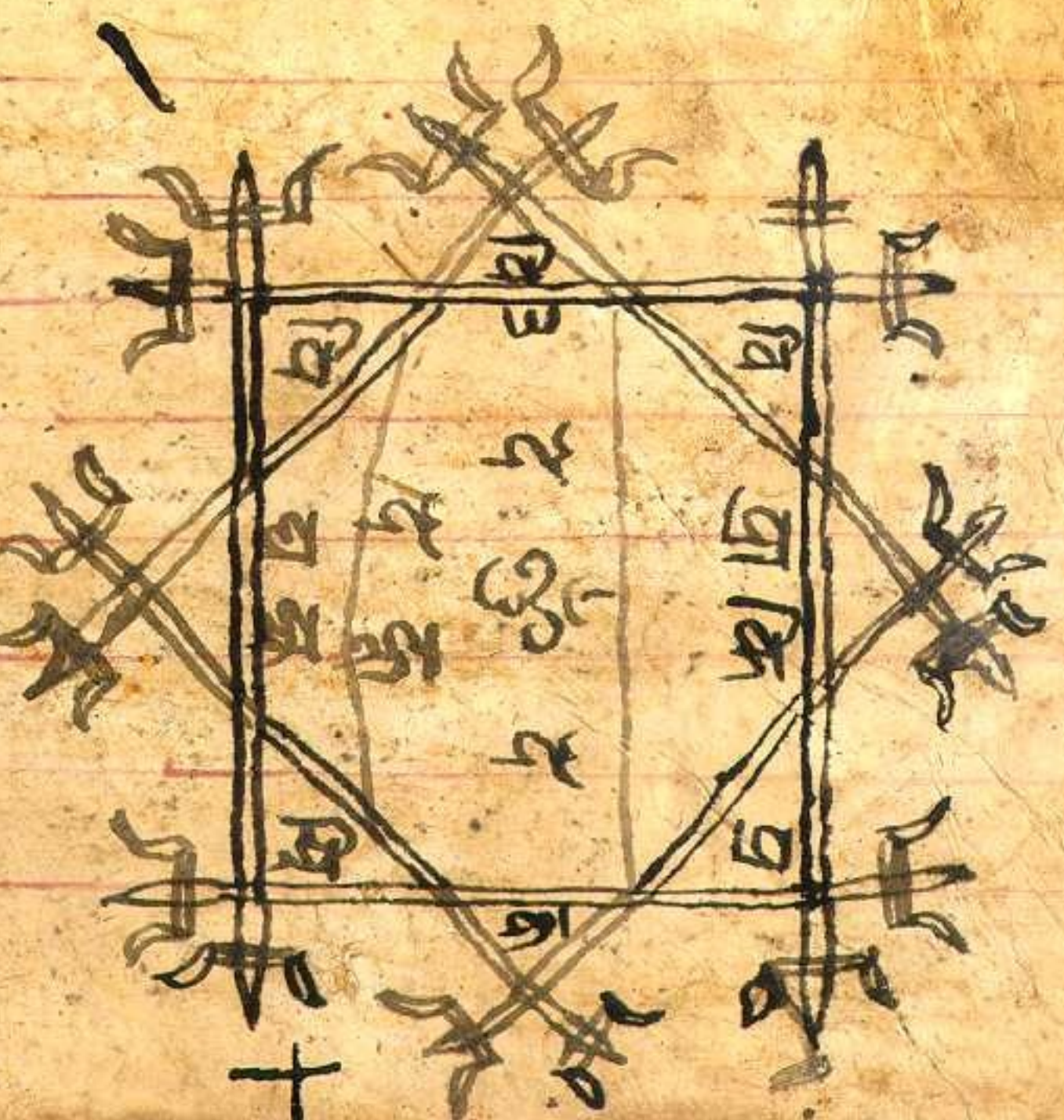
कंकम जलव न ह जायत स आसी इषा
 यक त्रुयुग न धर्म मन् धर्तु आ
 नरे ॥ धर्म सिद्धाय नमः न कव न न
 अत स्या धर्तु न ग १४ अत्र क न स्य यत्न
 आ न ग १४ ॥



श्रीरवन्द, ज्य गोचन, कैंक मज,
 त्र जावउ स, था या उ क र वा य र लो, धन
 क्षान, धन दू वि धि अ, धू य शी व न्द, क र
 का, क म्मा य, धन ३॥ धन दू वि य या न क्षा,
 धन का ॥



ज्य गोच, त्र जावउ स, थी, क वा य र स ऊ सि
 व उ न म ह उ व ८ न न सि क उ र उ ध र गो:



कैंक म, ज्य गोचन, त्र जा वउ स, वा
 स, क वा या उ न य र रु रु वा कि नि-
 सा की नि, य क सि नि व नि स, नी म ह।

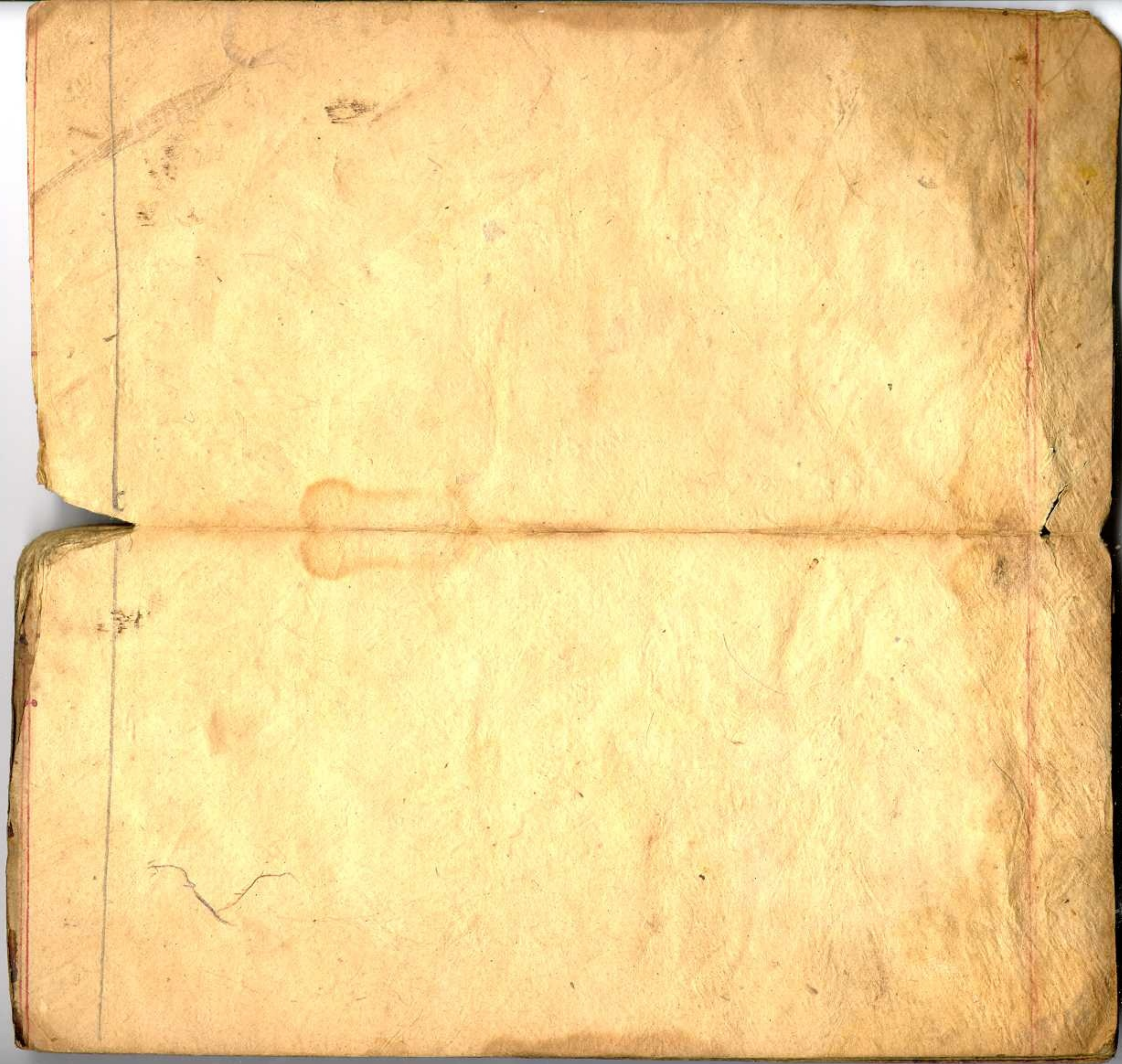


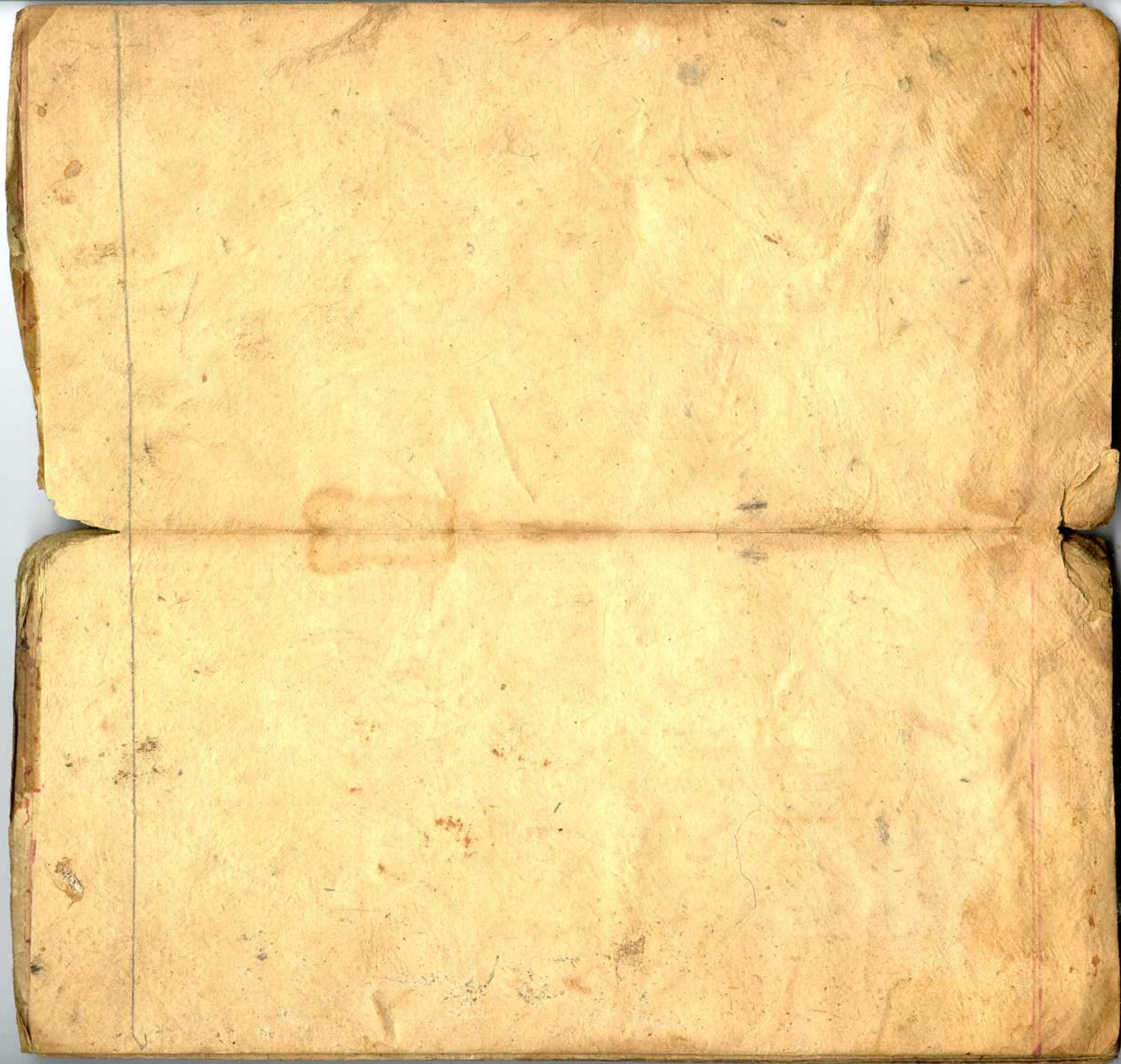
१ ग्वनादन दूधनयानलिङ्गा त्रिशा
यत्तु सवाय धवक्रवायाङ्गा दिव
सधूढं तं ॥ धमकुन उवातयायू
शनाः धनं ॥ धूपसिन्हाय कृत
गूगूशना ॥ ॥ उवात

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

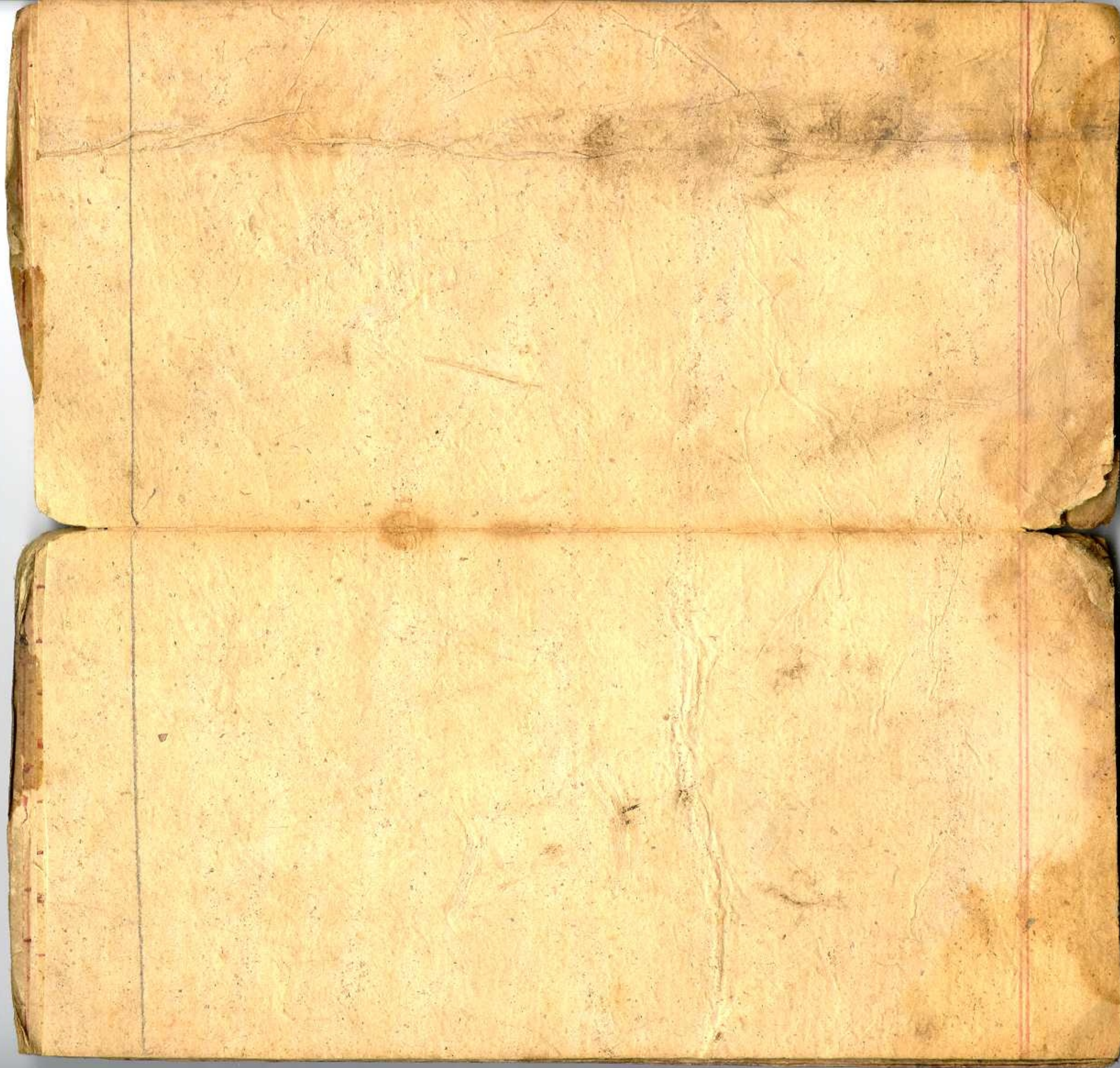
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
1348
ASHA ARCHIVES

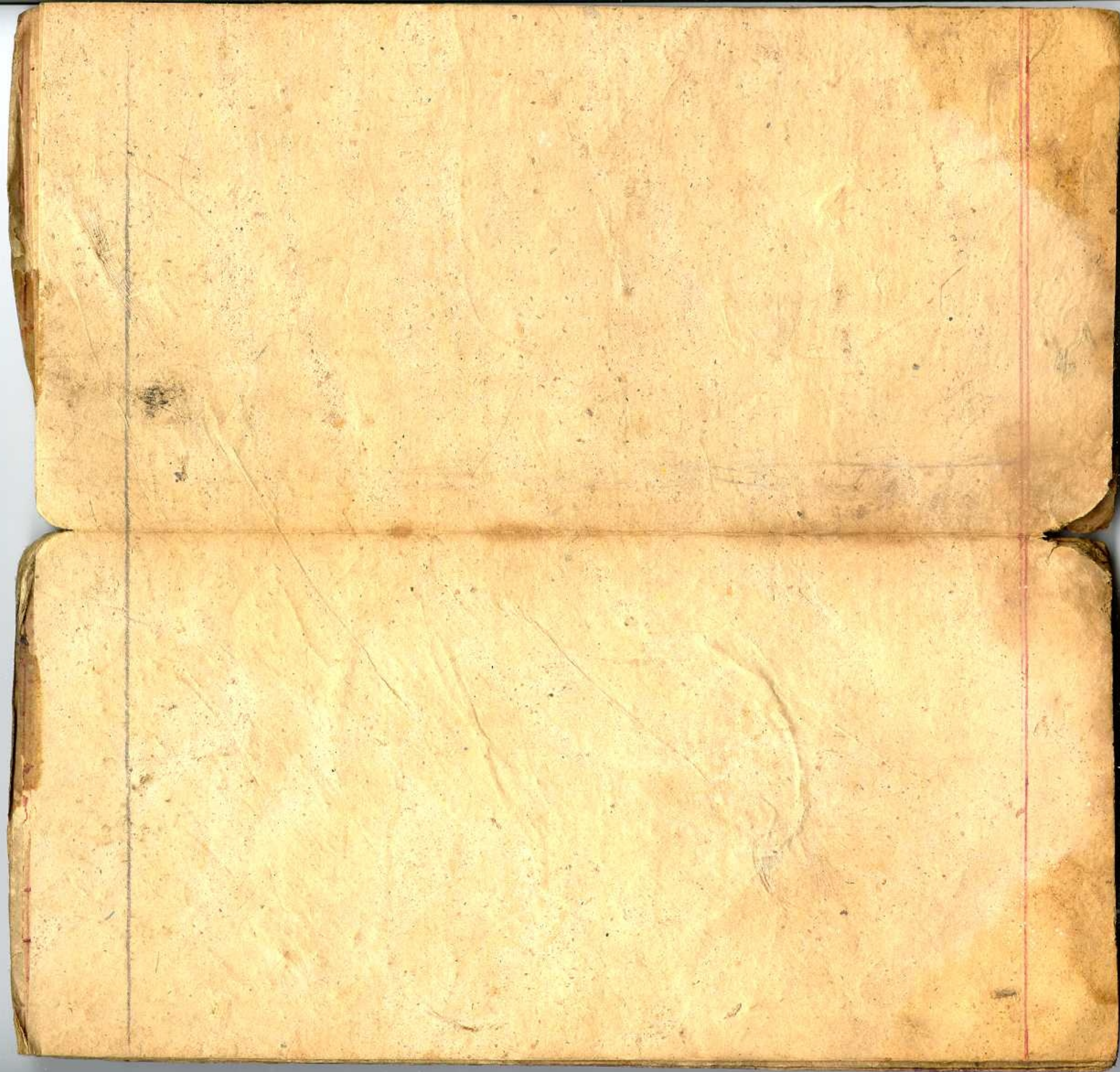
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

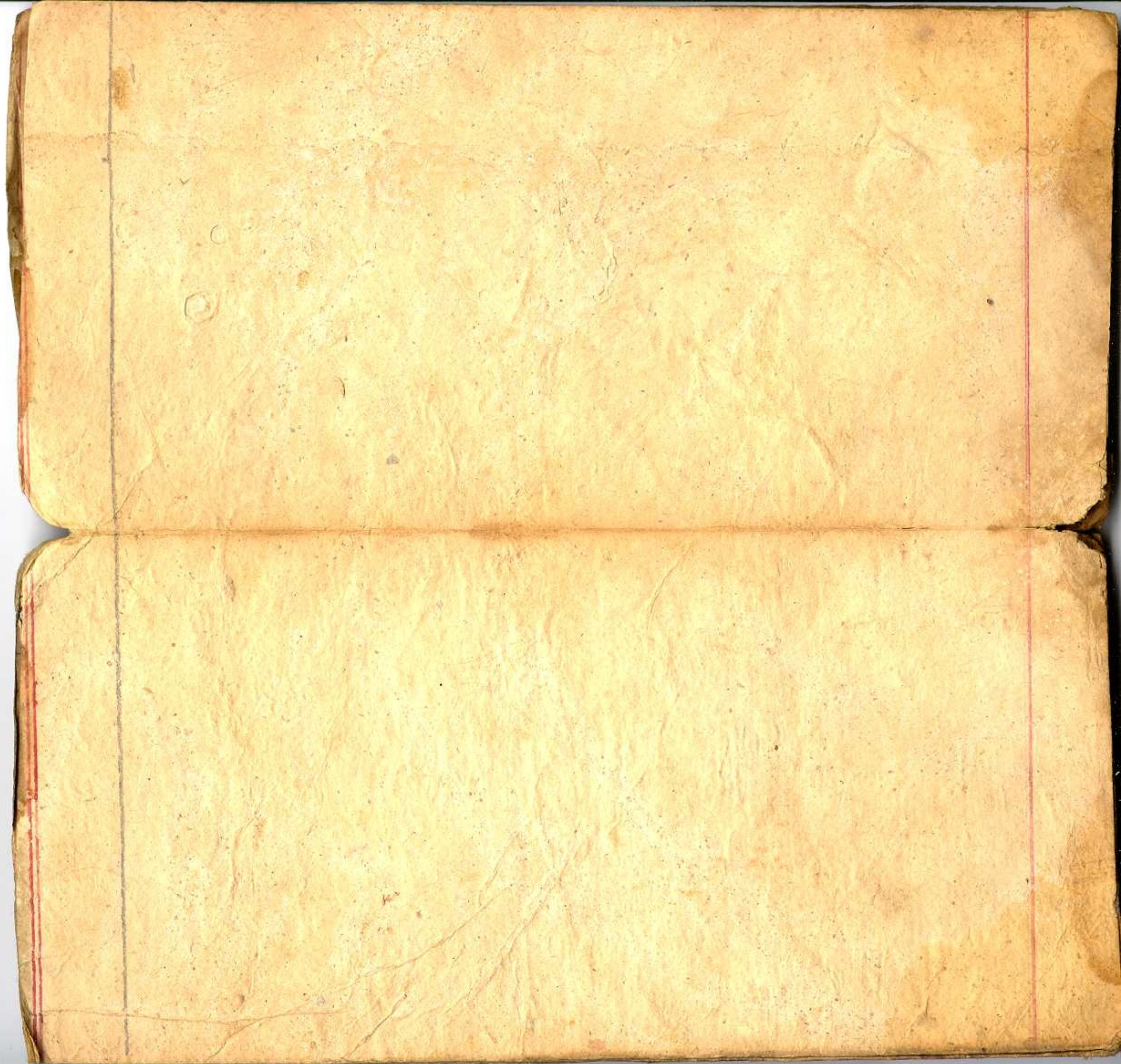


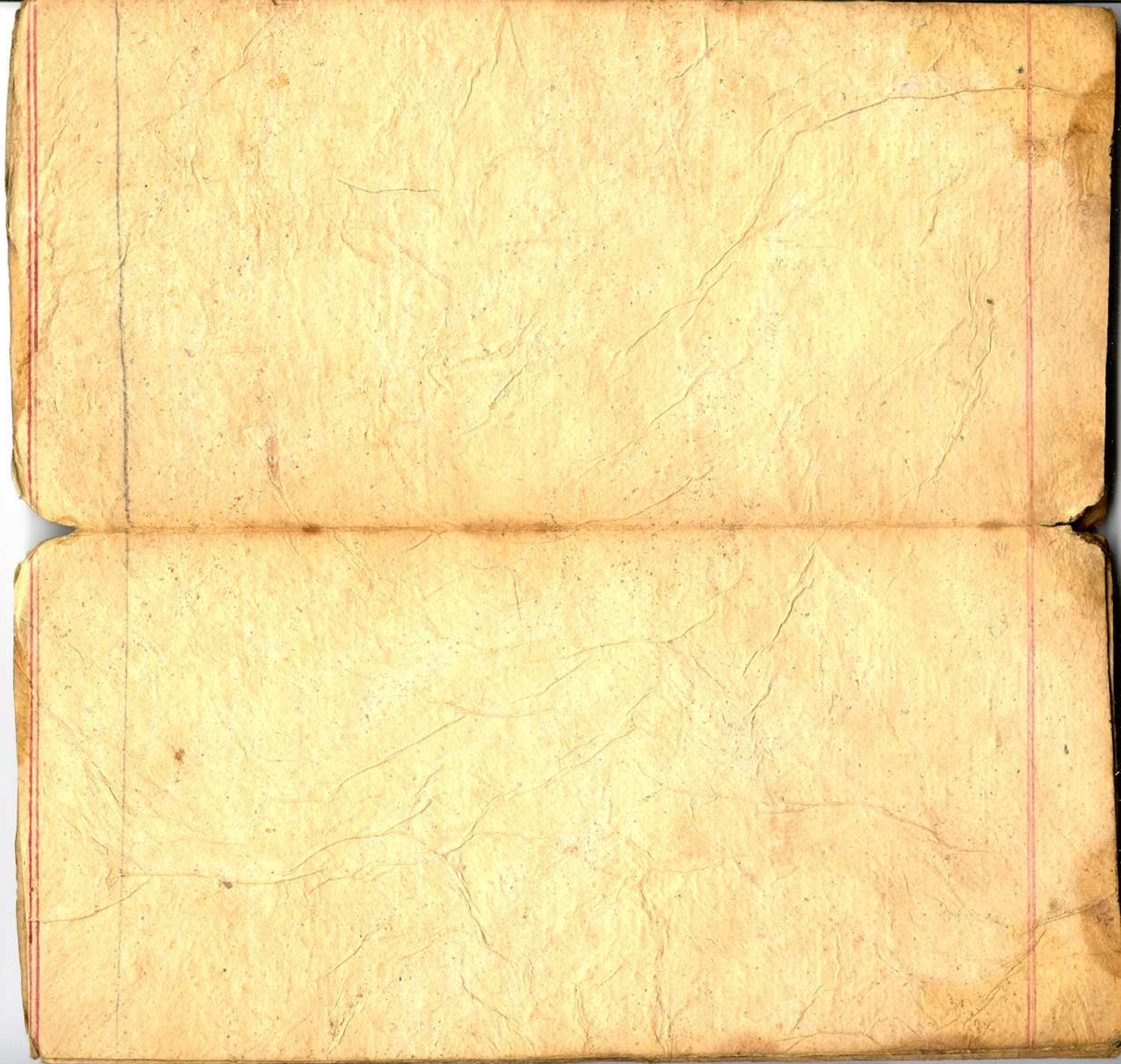


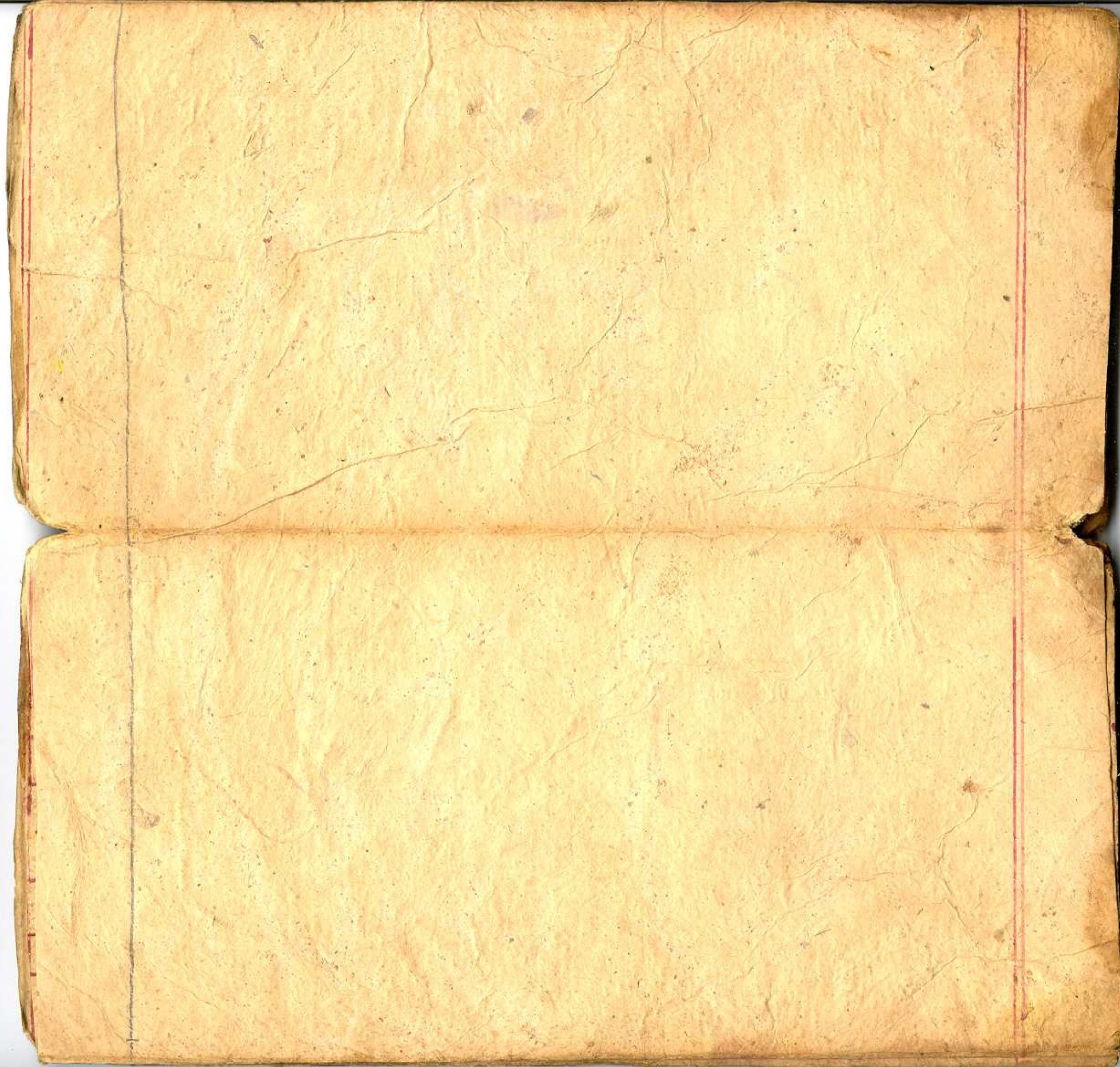






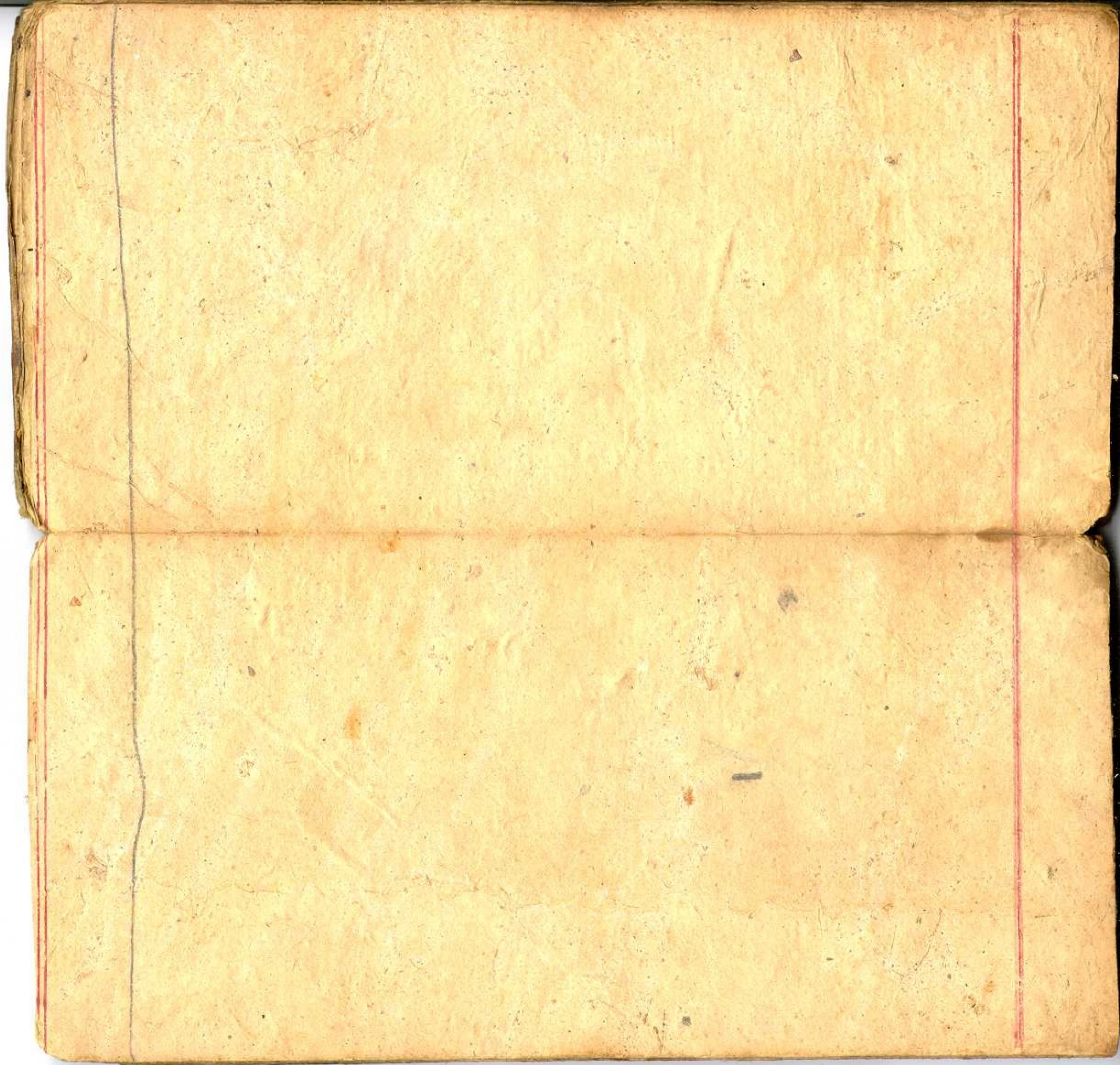


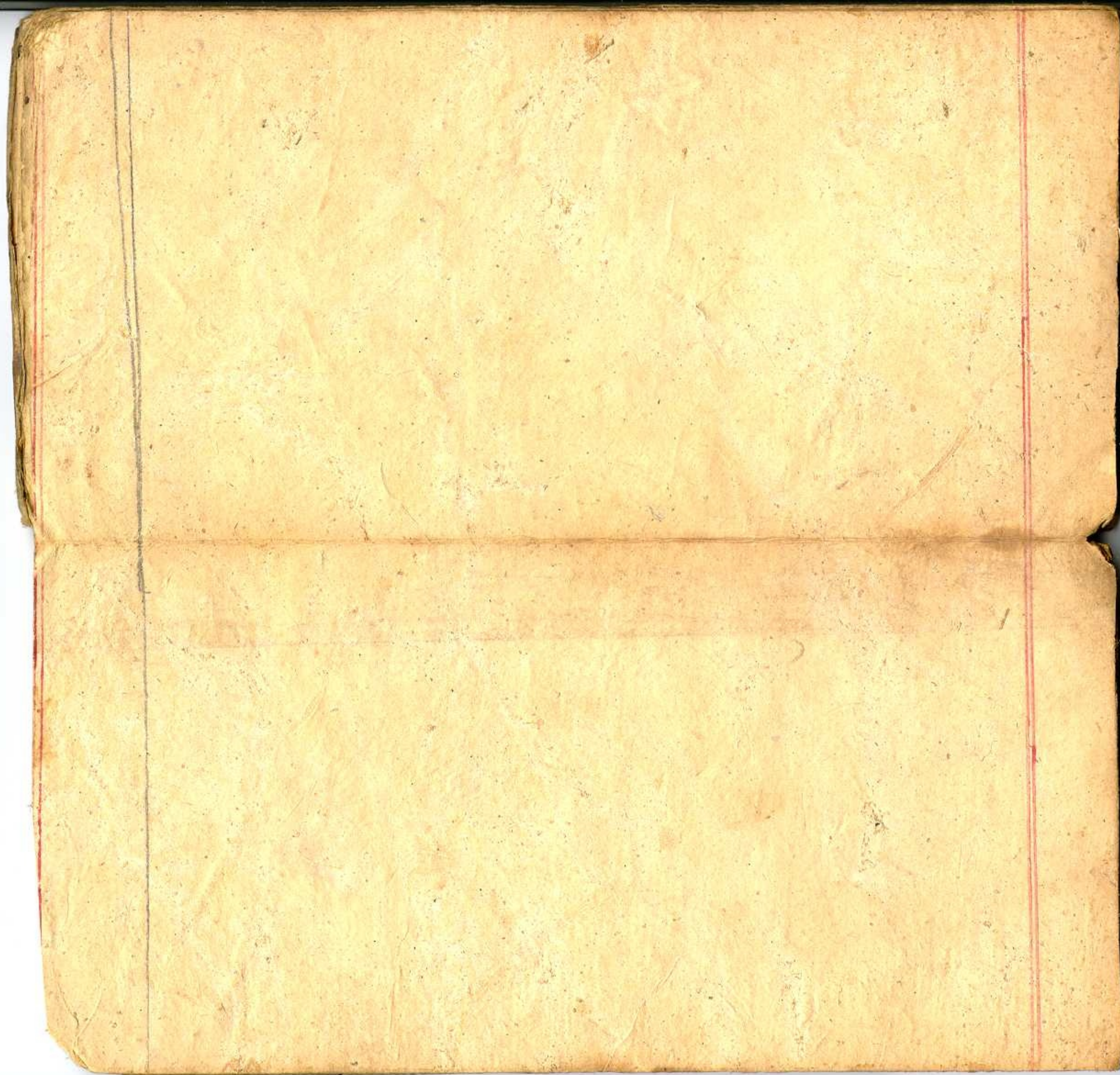


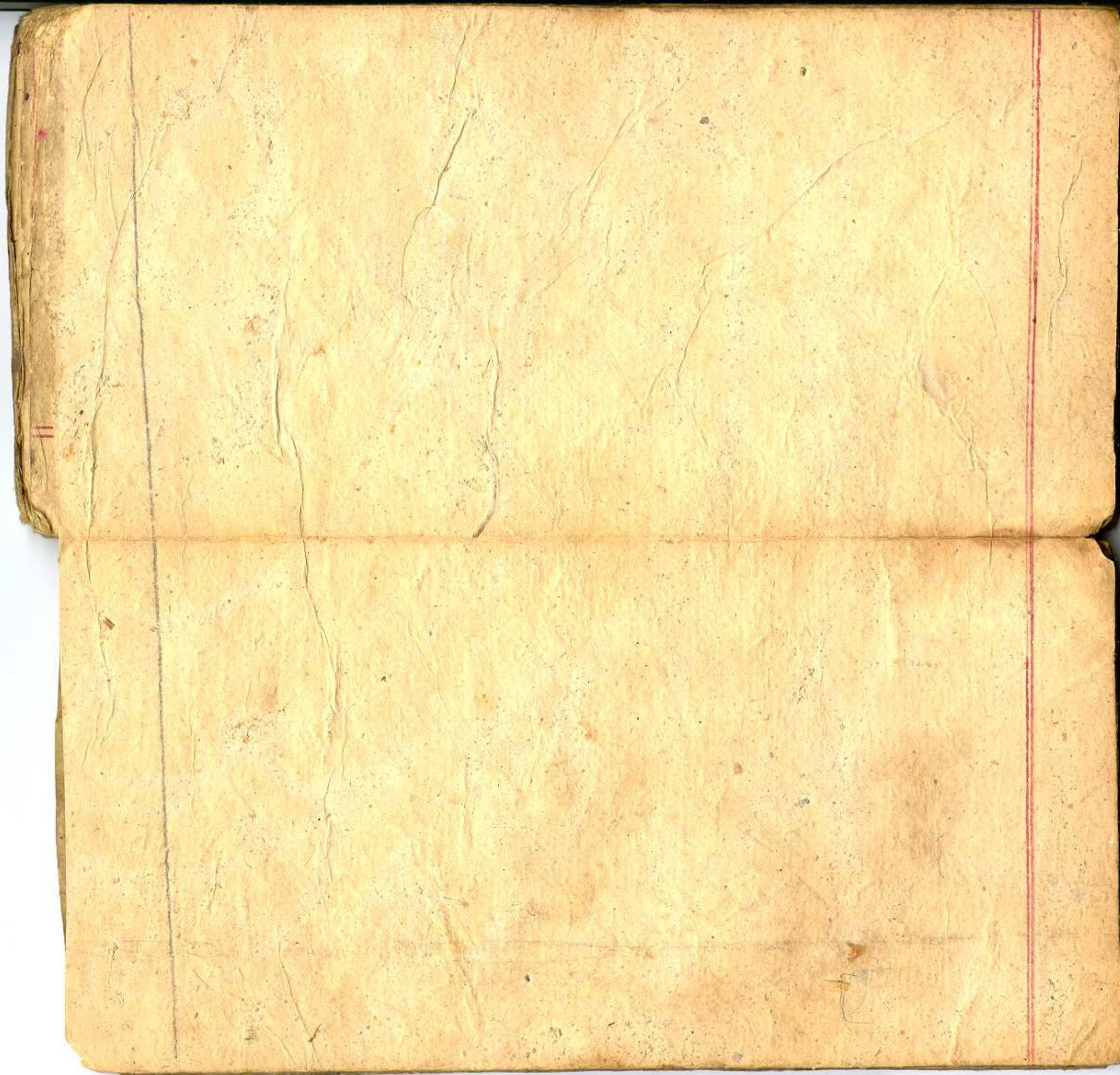


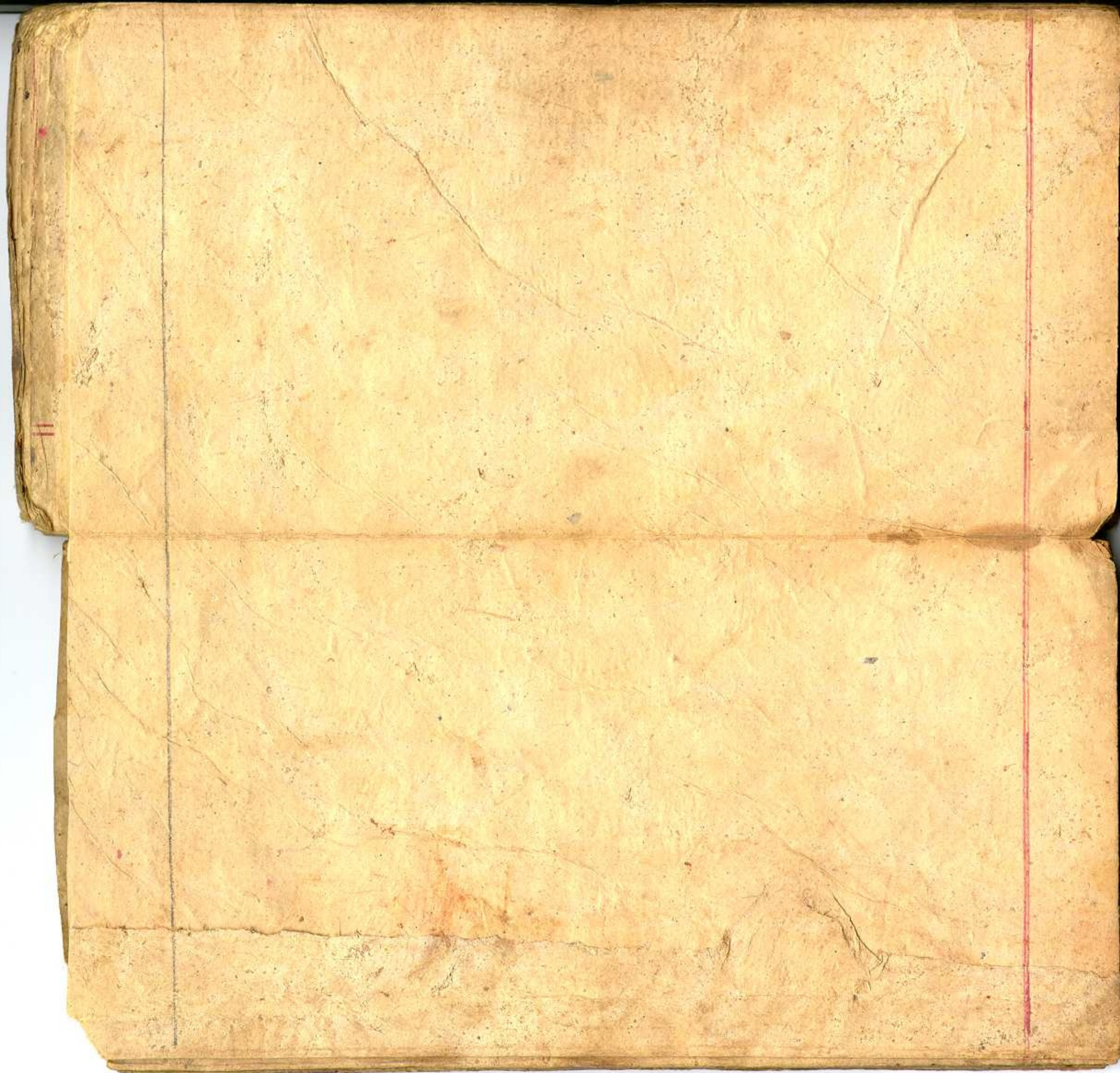




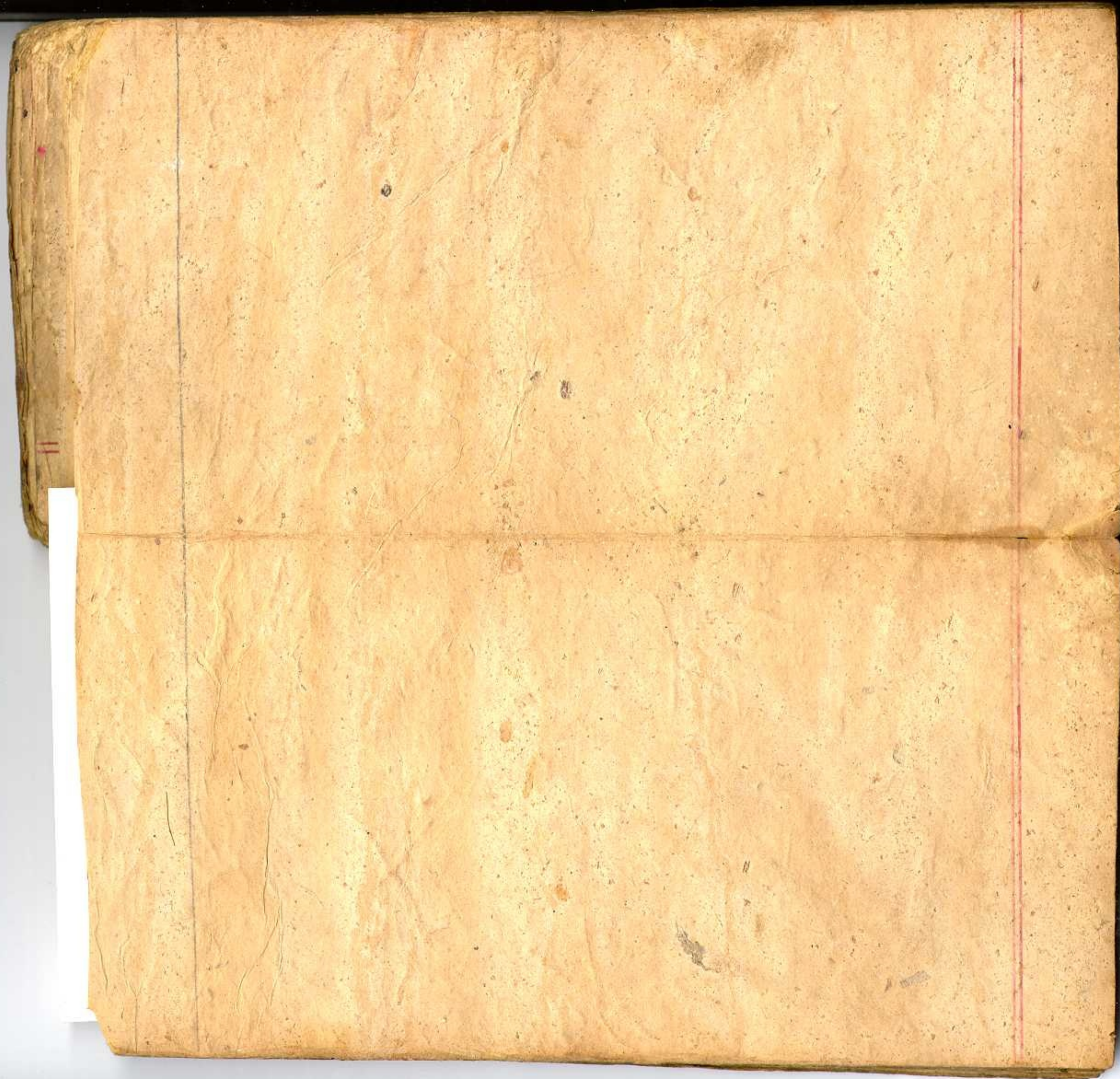












30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

